वर्षः 7- अंकः 168, मुंबई, सोमवार, 28 अगस्त, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

अंधेरी पश्चिम का स्टार बाजार मॉल खतरे में!

टेरिस पर बने अवैध हुक्का पार्लर की वजनदार दीवार

मुंबई। मुंबई में पिछले दिनों से हो रही झमाझम बारिश से लोगों की परेशानी काफी बढ गई है लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी और खतरनाक स्थिति उन लोगों को है जो यहां की वर्षों पुरानी और खतरनाक घोषित इमारतों में रह रहे हैं। अभी कल ही की बात तो है कि जब चांदिवली की एक पुरानी और खतरनाक बिल्डिंग ध्वस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए। ठीक ऐसी ही स्थिति जोन-9 के डीसीपी परमजीत सिंह दहिया के कार्यक्षेत्र और अंबोली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले अंधेरी पश्चिम स्थित स्टार बाजार मॉल की है जो काफी खतरनाक स्थिति पहुंच गई है और कभी भी ध्वस्त हो सकती है। आपको बता दें कि स्टार बाजार मॉल पूरी तरह अवैध है न तो इसके पास किसी प्रकार की कोई एनओसी और न ही किसी भी प्रकार लाइसेंस है। फिर भी न जाने कैसे स्टार बाजार मॉल के मालिक ने इसके टेरिस पर पूरी तरह से अवैध क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर बना रखा है जिसके लिए न तो बिल्डिंग विभाग से इजाजत ली गई और नही मनपा से कोई परमीशन लिया गया। **(शेष पृष्ठ 6-7 पर)**

टेरिस पर बना अवैध क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

कभी भी हो सकता है ध्वस्त

मारे जा सकते हैं लोग, मनपा चुप-पुलिस सुस्त

'आस्था के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 35वीं बार देश से मन की बात की। प्रधानमंत्री ने हरियाणा में हुई हिंसा पर नाराजगी जाहिर की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आस्था के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, एक तरफ देश उत्सवों में डूबा है और दूसरी तरफ हिन्दुस्तान के किसी कोने से हिंसा की खबरें आतीं हैं तो देश को चिंता होना स्वाभाविक है। ये हमारा देश बुद्ध और गांधी का देश है, देश की एकता के लिए जी जान लगा देने वाले सरदार पटेल का देश है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री

गणेशोत्सव, ओणम और ईद की बधाई दी : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा चारों ओर गणेश चतुर्थी की धूम मची है। बालगांगाधर तिलक ने 125 साल पहले सार्वजनिक गणेशोत्सव की शुरूआत की थी। ये पर्व 10 दिन तक चलता है। सभी देशवासियों को बहुत शुभकामनाएं। केरल में ओणम का त्योहार हो रहा है। हमारे त्योहार लोगों के लिए टूरिज्म का आकर्षण बनते जा रहे हैं। जैसे बंगाल में दुर्गा पूजा देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इस बीच में देशवासियों को ईद की भी शुभकामनाएं देना चाहूंगा।

दैनिक **मुंबई हलचल**
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई दौरे पर बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह 'लालबाग चा राजा' का किया दर्शन

मुंबई। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह मुंबई दौरे पर हैं। वे सुबह 11 बजे मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशिष शेलार के घर पहुंचे और उनके घर के गणपति का दर्शन किया है।

इसके बाद वे मुंबई के प्रसिद्ध गणपति 'लालबागचा राजा' के दर्शन करने पहुंचे। अमित शाह का मुंबई दौरा मंत्रि मंडल में फेरबदल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शाह के दौरे से नए बदलाव मंत्री मंडल में देखने को मिल सकते हैं। शाह बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष रावसाहेब दानवे, शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े, और

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ लालाबागचा राजा गणपति दर्शन करने पहुंचे।

नारायण राणे की बीजेपी पारी का श्रीगणेश आज

फडणवीस के नारायण राणे के घर जाने से उनके भाजपा में प्रवेश की अटकलों को और बल मिल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नारायण राणे के भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शनिवार को राणे के घर गणपति दर्शन के लिए गए। रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह मुंबई आये। इस दौरान राणे के भाजपा प्रवेश को लेकर

अहम फैसला हो सकता है। ऐसे में फडणवीस के नारायण राणे के घर जाने से उनके भाजपा में प्रवेश की अटकलों को और बल मिल गया है। वहीं, विधायक नितेश राणे ने गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आए मुख्यमंत्री के साथ अपने पिता व अपनी फोटो ट्विटर पर शेयर की। मुख्यमंत्री बाद में शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर के घर भी गणपति दर्शन के लिए गए। सूत्रों के अनुसार राणे का भाजपा में शामिल होना लगभग तय है।

25 पेटी विदेशी शराब पकड़ी

चिमूर (महाराष्ट्र)। सिंदेवाही, नेरी और चिमूर मार्ग से कार से शराब की तस्करी होने की गुप्त जानकारी मिलते ही चिमूर पुलिस ने शनिवार की सुबह नेरी-सिंदेवाही मार्ग पर फिल्मी स्टाइल में कार का पीछा कर 25 पेटी विदेशी शराब बरामद कर ली। इस कार्रवाई में वाहन समेत लगभग 7 लाख 70 हजार रुपए का माल जब्त किया गया है। साथ ही दो आरोपी भी गिरफ्तार हुए हैं।

जानकारी के अनुसार सिंदेवाही से सफेद रंग की स्विफ्ट कार नंबर एम.एच. 34-ए.ए. 5327 से शराब की तस्करी होने की गुप्त जानकारी थानेदार दिनेश लबड़े को मिली थी। जिसके बाद उन्होंने अपने टीम के साथ नेरी-जांभुलघाट परिसर में तैनात हो गए। पुलिस को देखते ही कार चालक ने विपरीत दिशा में कार दौड़ाई। पुलिस ने पीछा कर कार रोकी और तलाशी ली। इस दौरान कार में से 25 पेटी विदेशी शराब बरामद हुई। जिसकी कीमत 3 लाख 70 हजार व वाहन 4 लाख समेत तकरीबन 7 लाख 70 हजार का माल जब्त किया गया।

एकतरफा प्रेम में महिला की हत्या करने वाले को आरोपी को उम्रकैद

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने 45 वर्षीय एक व्यक्ति को साल 2015 में एक विवाहित महिला को चाकू मारकर हत्या करने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है।

सरकारी वकील वंदना जाधव ने शनिवार को बताया कि जिला न्यायाधीश एस सी खालिपे ने अपने हालिया आदेश में आरोपी रामनयन विश्वकर्मा को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराने के साथ ही उसपर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। जाधव ने बताया कि विश्वकर्मा और मृतक राधिका यादव (28) पालघर के वाडा औद्योगिक क्षेत्र के दो अलग-अलग कारखानों में काम करते थे और एक-दूसरे से परिचित थे।

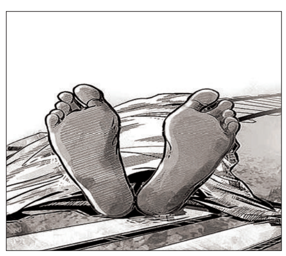

राधिका का पति सीताराम उसी क्षेत्र के दूसरे कारखाने में काम करता था। अदालत को बताया गया कि राधिका और सीताराम कुडूस गांव में रहते थे और मृतक महिला को विश्वकर्मा लगातार फोन कर मिलने को कहता था। जाधव ने बताया कि उसने अपने पति को इन फोन कॉल्स की जानकारी दी जिसके बाद सीताराम ने विश्वकर्मा को फटकार लगाई और अपनी पत्नी को दोबारा फोन न करने को कहा। तंग आकर बदली थी काम की जगह अदालत को यह भी बताया गया कि राधिका ने विश्वकर्मा के शोषण से बचने के लिए अपने काम करने की जगह भी बदल ली थी। हालांकि उसने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। जाधव ने बताया कि 3 मई 2015 को आरोपी ने खुपरी गांव के पास राधिका को अकेला पाकर उसपर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। विश्वकर्मा उसके बाद फरार होकर आजमगढ़ चला गया, लेकिन जून 2015 में जिला पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। अदालत ने मृतक के पति के बयान और महिला के तीन सहकर्मियों की प्रत्यक्षदर्शिता को आधार मानकर विश्वकर्मा को दोषी माना।

जर्जर इमारत ढहने से एक की मौत, दो घायल

मुंबई। मुंबई में शनिवार को एक सात मंजिला इमारत के तीन खंड दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। हादसे में एक की व्यक्ति की मौत और दो के घायल होने की खबर है। मलबे में अब भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है। इमारत काफी जर्जर अवस्था में थी।

उसे ढहाया जा रहा था, उसी दौरान यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बीएमसी आपदा नियंत्रण के एक अधिकारी ने बताया कि शाम करीब 5:15 बजे हुए हादसे के समय उत्तर-मध्य मुंबई में चांदीवली में क्रिस्टल बिजनेस पार्क नामक इमारत को बीएमसी की टीम ढहा रही थी। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी पीएस मेनन के अनुसार, दुर्घटना तब हुई, जब इमारत के ऊपरी हिस्से को गिराने में लगीं चार क्रेनों में से एक

अचानक लड़खड़ाने लगी और टॉप फ्लोर से सीधा नीचे आ गई। गिरने वाली क्रेन के वजन और टक्कर से इमारत के कम से कम तीन मंजिलें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं हैं। यही नहीं शेष हिस्सा साथ लगी आवासीय इमारत 'वुडलैंड हाइट्स' की ओर झुक गया है। मेनन ने कहा, 'हमने पिछले एक साल में इमारत की खतरनाक स्थिति के बारे में बृहनमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी), स्थानीय पुलिस और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कई बार सूचित किया था, लेकिन किसी ने भी कोई कार्रवाई नहीं की।

महाराष्ट्र सरकार छोटे खाताधारकों की सुरक्षा के लिए लाएगी कानून !

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार शहरी सहकारी बैंकों में एक लाख रुपए तक जमा कराने वाले छोटे खाताधारकों की वित्तीय सुरक्षा के लिए एक कानून बनाएगी। राज्य के सहकारिता मंत्री सुभाष देशमुख ने शहरी सहकारी बैंकों के प्रतिनिधियों की बैठक को पुणे में संबोधित करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश शहरी सहकारी बैंकों में कम बचत वाले खाते होते हैं

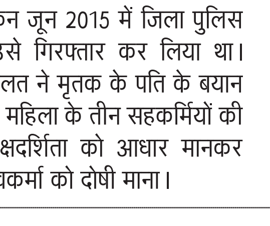

ऐसे में जब भी ये बैंक वित्तीय संकट का सामना करते हैं तो ये छोटे खाताधारक बुरी तरह प्रभावित होते हैं। यह बैठक इन बैंकों में जमा राशि की सुरक्षा संबंधी कदमों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। देशमुख ने कहा कि शहरी सहकारी बैंकों में एक लाख रुपए तक की जमा राशि को कानून बनाकर सुरक्षित किया जाएगा। राज्य सरकार इस पर काम कर रही है।

एकरूपता के लिए बनेंगे नियम

उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र सहकारी विकास निगम के जरिए कुछ तरीकों पर काम कर रहे हैं। एकरूपता लाने के लिए यह निगम शहरी सहकारी बैंकों से संबंधित दिशानिर्देश एवं नियम तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में शहरी सहकारी बैंकों में करीब 25 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। पिछले 10 साल में खासकर रिजर्व बैंक द्वारा कुछ रोक लगाए जाने के बाद कई शहरी सहकारी बैंक वित्तीय संकट से गुजरे हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

यातायात में अड़चन बने 3 हजार 418 वाहनों को मनपा ने किया जप्त

वाहनों की नीलामी से मनपा की तिजोरी में आये 1 करोड़ 42 लाख रुपए

मुंबई। वाहन चालकों द्वारा निजी या सड़को के किनारे कहीं भी वाहन खड़े कर देने से ट्रैफिक की समस्या का लोगों को सामना करना पड़ता है। जिससे निपटने के लिए पिछले 18 महीनों में मनपा द्वारा यातायात में अड़चन बने लगभग 3 हजार 418 वाहनों को जप्त किया गया। जिसमे से लगभग 2 हजार 747 वाहनों को कोई लेने नहीं आया। इन वाहनों की नीलामी से मनपा को लगभग 95 लाख 96 हजार रुपये प्राप्त हुए जबकि शेष 612 गाड़ियों को लेने आये संबंधितों से दंड के रूप में लगभग 46 लाख 26 हजार 390 रुपये वसूल किये जाने की जानकारी अतिक्रमण निर्मूलन विभाग के सहायक आयुक्त विश्वास शंकरवार ने दी है।

गौरतलब है कि वाहन चालकों द्वारा निजी जगहों व सड़क किनारे कहीं भी गाड़ियां कड़ी कर दी जाती है जिससे अन्य वाहन चालकों को यातायात में अड़चनों का सामना करना पड़ता है। वहीं गाड़ियों के चाट पर जमा पानी से डेंगु, मलेरिया जैसी बिमारी फैलती है। जिससे निपटने के लिए मनपा द्वारा ऐसी गाड़ियों को जप्त कर संबंधितों से दंड वसूल किया जाता है। 1 जनवरी 2016 से 30 जून 2017 तक पिछले 18 महीनों में मनपा द्वारा यातायात में अड़चन बने लगभग 3 हजार 418 वाहनों को जप्त किया गया। इसमें 2 हजार 217 दोपहिया वाहन, 300 तीन पहिया व 901 चार पहिया वाहनों का समावेश है। इन वाहनों में से लगभग 2 हजार 747 वाहनों को कोई लेने नहीं आया। किसी भी व्यक्ति द्वारा इन वाहनों पर दावा नहीं किये जाने से मनपा अतिक्रमण निर्मूलन विभाग के उपायुक्त रणजीत ढाकणे के मार्गदर्शन में नीलामी की गयी। इस दौरान मनपा को लगभग 95 लाख 96 हजार रुपये राजस्व के रूप में प्राप्त हुए। जबकि 612 गाड़ियों को लेने आये संबंधितों से दंड के रूप में लगभग 46 लाख 26 हजार 390 रुपये वसूल किये जाने की जानकारी अतिक्रमण निर्मूलन विभाग के सहायक आयुक्त विश्वास शंकरवार ने दी है। वहीं 59 वाहन पुलिस मामलों से संबंधित होने से उनकी नीलामी नहीं की गयी है। यह नीलामी ऑनलाइन नीलामी पद्धति से आयोजित की गयी थी।

लालबाग के राजा को दान में मिलीं सोने की मूर्तियां

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध गणपति मंडल लालबाग के राजा की दानपेटी में मिले दान की गिनती शुरू हो गई है। एक भक्त ने 1 किलो 101 ग्राम के गणेश-लक्ष्मी की प्रतिमा दान में दी है। इस प्रतिमा की बाजार में कीमत 31 लाख के आसपास है। लालबाग के राजा को भक्तों ने भारी मात्रा में कैश भी दान में दिया है। लालबाग के राजा को मिले कुल दान की गिनती अनंत चतुर्दशी के तक पूरी हो पाएगी। उसके बाद दान में मिली चीजों की नीलामी की जाएगी और दान में मिले पैसे को लालबाग के ट्रस्ट के अकाउंट में जमा करवाया जाएगा। हर साल गणेशोत्सव में लालबाग के राजा के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ जुटती है। उनके भक्तों में आमलोगों के अलावा कई वीवीआईपी लोग भी हैं। हर साल भक्त भारी मात्रा में कैश और गहने दान में देते हैं। दान में मिले आभूषण और कैश को गिनने में कई दिन लग जाते है। लालबाग के राजा के भक्त दानपेटी में दान के अलावा चेक से और ऑनलाइन भी दान करते हैं।

घाटकोपर दुर्घटना की जांच रिटायर्ड जज से कराई जाए : रविराजा

मुंबई। घाटकोपर साईं सिद्धि ईमारत ढहने के मामले में मनपा द्वारा की गई जाँच में मनपा अधिकारियो को बचाने का आरोप मनपा विरोधी पक्ष नेता रविराजा ने लगाया है। रविराजा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मांग की है की इस घटना की रिटायर्ड जज से जाँच कराई जाए। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में वार्ड के सहायक आयुक्त और एमओएच को निलंबित कर जाँच किए जाने की मांग रखी है।

गौरतलब है कि घटकोंपर पश्चिम में 25 जुलाई को गिरी ईमारत में 17 लोगो की जान गई जबकि 16 लोग जख्मी हुए। मनपा प्रशासन द्वारा की गई जाँच में ईमारत में अवैध रूप से किये गए तोड़ फोड़ और बीम कॉलम को तोड़े जाने को लेकर ईमारत गिरने की बात कही गई है। अवैध निर्माण करा रहे शिवसेना नेता सुनील शितप पर पूरी तरह से आरोप मढ़कर मनपा अधिकारियो ने अपने अधिकारियो को पूरी तरह बचाने की कोशिश की है। रवि राजा ने आरोप लगाया की एन वार्ड के वार्ड ऑफिसर और अन्य अधिकारी ने क्यों नोटिस देकर करवाई क्यों नहीं की। एमओएच दो दिन पहले घटना स्थल का जाँच करता है फिर भी चल रहे अवैध निर्माण की जानकारी वार्ड अधिकारी को क्यों नहीं दिया। मनपा वार्ड के पास अधिकार है की अवैध निर्माण पर ३५४ अ के तहत करवाई करे। बावजूद इसके नोटीस नहीं दी गई। रविराजा ने आरोप लगाया कि जितना दोषी सुनील शितप अवैध निर्माण करने वाला है उससे कहीं ज्यादा उसकी अनदेखी करने वाला है। मनपा के वार्ड अधिकारी का काम होता है अवैध निर्माण पर निगरानी रखना। विरोधी पक्ष नेता ने कहा की मनपा की जाँच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है की मनपा अधिकारी ने लापरवाही की है की लेकिन करवाई न करके आंतरिक जाँच किये जाने की एक दिलासा देकर उन्हें बचने का काम किया गया है। इमारत 30 साल पुरानी हो चुकी थी लेकिन इसके बावजूद स्ट्रक्चरल आडिट करने के लिए कईओ नोटिस नहीं दिया गया। रविराजा ने मनपा आयुक्त पर अपने कर्मचारियों को बचने का आरोप लगते हुए इस पूरे मामले की जाँच रिटायर जज से कराने और वार्ड के अधिकारियो को निलंबित कर जाँच कराये जाने की मांग की है।

जीएसटी से बेस्ट पर पड़ रहा अधिक बोझ

मुंबई। कर्ज में डूबी बेस्ट पर एक और बोझा पड़ गया है। एक जुलाई से जीएसटी लग गया है। गाड़ियों को मरम्मत करने के लिए लगने वाले सामने पर जीएसटी 28 प्रतिशत लगाया गया है। जबकि इसके पहले नट बोल्ट सहित अन्य सामानों पर मात्र 12 प्रतिशत टैक्स लगता था। जीएसटी लागू होने से बेस्ट पर और बोझा पड़ गया है। पहले से खस्ता हालत में चल रही बेस्ट के लिए यह और तकलीफ देयक साबित हुआ है।

बेस्ट समिति की बैठक में पिछले दस दिनों में किसी तरह की सामग्री न खरीदे जाने की बात सामने आई। बेस्ट महवयवस्थापक सुरेंद्र कुमार बागड़े ने जानकारी दी की स्क्रैप में लगने वाले सामानों पर जीएसटी 18 से 28 प्रतिशत लगा दी गई है जिससे सामान के दाम बढ़ गए है बेस्ट पहले दिए गए सामान खरीदने के ठेके में कीमत बढ़ने से सामने की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार सामान नहीं उपलब्ध करा रहे है। बागड़े ने कहा की जीएसटी लगने से बेस्ट को नुकसान हुआ है। बेस्ट समिति सदस्य रविराजा ने मांग की बेस्ट सेवा देने वाली संस्था है बेस्ट को सामान देने वाली कंपनियों को जीएसटी में छूट देने का अपरवधान किया जाना चाहिए। बता दे की बेस्ट को सालाना 100 करोड़ से अधिक सामान खरीदा जाता है। जीएसटी से बेस्ट को सालाना का लगभग 20 से 22 करोड़ का अतिरिक्त बोझा पड़ने की जानकारी दी। खस्ता हालत में चल रही बेस्ट के लिए यह बोझा और तकलीफ देह हो गया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सही फटकार

हरियाणा में देश को दहशत में डालने वाली भयावह हिंसा के लिए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने मनोहर लाल खट्टर सरकार को उचित ही फटकार लगाई। उसकी यह टिप्पणी हरियाणा सरकार की पोल खोलने और उसे शर्मसार करने वाली है कि आपने राजनीतिक फायदे के लिए डेरा समर्थकों के सामने समर्पण कर दिया। ऐसी सख्त टिप्पणी के लिए हरियाणा सरकार अपने अलावा अन्य किसी को दोष इसलिए नहीं दे सकती, क्योंकि यह सबके सामने आ चुका है कि उसने भीड़ जमा होने से रोकने के लिए धारा 144 लगाने का दिखावा किया। समझना कठिन है कि मुख्यमंत्री ने अपनी जिम्मेदारी का अहसास करने के बजाय ऐसा अजीब बयान कैसे दे दिया कि डेरा समर्थकों के बीच असामाजिक तत्वों ने घुसकर उत्पात मचाया? आखिर वह इतनी जल्दी कैसे जान गए कि हिंसा फैलाने वालों में डेरा समर्थक नहीं, बल्कि कथित तौर पर उनके बीच घुस गए उपद्रवी तत्व थे? ऐसे बयानों से तो यही लगता है कि हरियाणा सरकार यह मान बैठी थी कि बाबा गुरमीत अपने भक्तों को शांत रखने में उसकी मदद करेंगे या फिर सीबीआइ अदालत का फैसला बाबा के खिलाफ नहीं जाएगा। शायद इसी कारण समय रहते सख्त कदम उठाने से इन्कार किया गया। अब इसमें दोराय नहीं कि हरियाणा सरकार को मुगालते में रहना बहुत भारी पड़ा। अगर कोई सरकार बार-बार अराजकता के आगे असहाय दिखे तो फिर वह अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा नहीं कर सकती। हरियाणा सरकार जिम्मेदारी के साथ जवाबदेही का भी परिचय देने में विफल साबित हुई है। चूंकि इस विफलता के दुष्परिणाम केवल हरियाणा तक सीमित नहीं रहने वाले इसलिए भाजपा नेतृत्व को अपनी रीति-नीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। उसे ऐसे तत्वों से अपनी दूरी बनानी ही होगी जो समाज सेवा या फिर मानव सेवा के नाम पर मनमानी करते हैं। ऐसे तत्वों के प्रति नरम-मुलायम दिखने या फिर उनसे निकटता दर्शाकर राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश में सुशासन की दिशा में आगे नहीं बढ़ा जा सकता। क्या इससे खराब बात और कोई हो सकती है कि साध्वियों से दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाए गए बाबा गुरमीत के समर्थन में पार्टी के कुचर्चित सांसद साक्षी महाराज ने जब बेतुका बयान दिया तो भाजपा ने हमेशा की तरह यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह तो उनका निजी बयान है। यह काम कितनी बार और कब तक किया जाता रहेगा? क्या नए भारत के सपने को साकार करने में ऐसे गैर जिम्मेदार नेता कहीं से भी सहायक बन रहे हैं? आखिर भाजपा साक्षी महाराज सरीखे अपने बेलगाम नेताओं को कब तक बर्दाश्त करती रहेगी? हर कोई जानना चाहेगा कि ऐसे नेताओं का बार-बार बचाव करने की मजबूरी क्यों? समय पर सही कदम उठाकर हरियाणा को केवल अराजकता की आग से बचाया ही नहीं जाया जा सकता था, बल्कि इसका श्रेय भी लिया जा सकता था कि आखिरकार हमारे शासन में ही बाबा को उनके किए की सजा मिल सकी। यह एक तथ्य है कि जिस मामले में गुरमीत को दोषी पाया गया उसकी जांच की पहल वाजपेयी सरकार के समय हुई और इस मसले की सुनवाई ने भी मोदी और खट्टर सरकार के समय ही गति पकड़ी। अच्छा होगा कि खट्टर सरकार को लगी फटकार पर भाजपा सही से चिंतन-मनन करे?

समान नागरिक संहिता का सही समय

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार में तीन तलाक को असंवैधानिक ठहराकर मुस्लिम समाज में प्रचलित सदियों पुरानी एक कुप्रथा का अंत करने का काम किया है। इस बड़े और व्यापक असर वाले फैसले का श्रेय सुप्रीम कोर्ट को ही जाता है, लेकिन कहीं न कहीं इस निर्णय के पीछे केंद्र सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी भूमिका है, जिन्होंने खुलकर मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में आवाज बुलंद की। यह फैसला मुस्लिम महिलाओं के संघर्ष की एक शानदार जीत भी है। इस मामले की सुनवाई कर रही पांच सदस्यीय पीठ के तीन जजों ने तीन तलाक खत्म करने के फैसले को ऐतिहासिक बनाया, क्योंकि मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर ने तलाक खत्म करने के लिए कानून बनाने की जरूरत जताई थी। उन्होंने न केवल एक बार में तीन तलाक की प्रथा को इस्लामी रीति माना था, बल्कि पर्सनल लॉ का हिस्सा बताते हुए यह भी कहा था कि यह मौलिक अधिकार है। ऐसा ही मत एक अन्य जज का भी था। हालांकि इन दोनों जजों की राय का फैसले पर असर नहीं पड़ा, लेकिन उनके नजरिये ने कुछ सवाल तो खड़े ही कर दिए हैं। इन दो जजों के विपरीत तीन जजों ने यह पाया कि एक बार में तीन तलाक की प्रथा का कुरान में कोई स्थान नहीं और इसीलिए वह खारिज करने योग्य है। यह प्रथा एक कुप्रथा में तब्दील हो गई थी और उसका जमकर दुरुपयोग भी हो रहा था। स्थिति यह थी कि चिट्ठी, फोन और यहां तक कि वाट्सएप से भी तलाक दिया जाने लगा था।

आज का समाज जिस तेजी से आगे बढ़ और बदल रहा है उसमें किसी भी वजह से महिलाओं की दोयम दर्जे की स्थिति स्वीकार नहीं की जा सकती। यह हैरत की बात है कि तमाम इस्लामी देशों ने तो एक बार में तीन तलाक से आजादी पा ली, लेकिन भारत में मुस्लिमों का एक बड़ा हिस्सा पर्सनल लॉ के नाम पर इस कुप्रथा को त्यागने के लिए तैयार नहीं था। अभी भी वह इसे अपनी जीत बता रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पर्सनल लॉ में हेरफेर करने की इजाजत नहीं दी है। ब्रिटिश शासन के दौरान सामाजिक रीति रिवाज बदलने के लिए अंग्रेजों ने भारत में विवाह संबंधी कुरीतियां समाप्त करने का मन बनाया था। उन्होंने हिंदू समाज के कानूनों में तो बदलाव की पहल की, लेकिन मुस्लिम समाज के कानूनों की इसलिए अनदेखी की ताकि मुसलमान उनके खिलाफ न हो जाएं। जब भारत को आजादी मिली तो हिंदुओं के पर्सनल लॉ में बदलाव के लिए हिंदू कोड बिल लाया गया, लेकिन जब मुसलमानों के पर्सनल लॉ में बदलाव का सवाल उठा तो नेहरू पीछे हट गए। इसके बाद जब भारतीय राजनेताओं को यह समझ आ गया कि वे मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति कर अपना फायदा कर सकते हैं तो उनमें इस समाज के तुष्टीकरण की होड़ लग गई। इस होड़ की पराकाष्ठा शाहबानो मामले में देखने को मिली। 1985 में तलाक के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला देकर उन्हें गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया, लेकिन राजीव गांधी सरकार ने अपने प्रचंड बहुमत के चलते 1986 में एक नए कानून का निर्माण कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। बहुमत की मनमानी वाले इस फैसले के विरोध में आरिफ मोहम्मद खान ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा भी दिया, लेकिन सरकार के रवैये पर असर नहीं पड़ा। कांग्रेस की इस भूल को एक तरह से भाजपा ने सुधारा और उसने तीन तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाओं का पक्ष लिया। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को असंवैधानिक ठहरा दिया है तब करीब-करीब सभी राजनीतिक

दल उसका स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ दल अभी भी मुस्लिम तुष्टीकरण वाली राजनीति का मोह छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहे और इसीलिए वे समान नागरिक संहिता की जरूरत पर मौन हैं। समान नागरिक संहिता के मामले में भाजपा का रुख नया नहीं है। वह जनसंघ के समय से ही समान नागरिक संहिता की वकालत करती आ रही है। समान नागरिक संहिता का अर्थ यही है कि देश के सभी नागरिकों को, वे चाहे किसी भी मजहब, जाति या क्षेत्र के हों, के लिए विवाह, उत्तराधिकार आदि के मामले में एक समान पर्सनल लॉ बनें। मुस्लिम समाज को यह समझने की जरूरत है कि उनके अपने समाज में वक्त के साथ परिवर्तन होना चाहिए। वे अपने पर्सनल लॉ की आड़ में रूढ़ियों को अनंतकाल तक ढोते नहीं रह सकते। जब दूसरे समुदाय के पसर्नल लॉ बदले जा चुके हैं तो फिर यही काम मुस्लिम पर्सनल लॉ के मामले में क्यों नहीं हो सकता? कोई समाज सदियों पुराने रीति-रिवाजों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता? आखिर जो समाज अपनी आधी आबादी यानी महिलाओं की लगातार उपेक्षा करे वह प्रगति कैसे कर सकता है? यह एक तथ्य है कि अन्य समाजों की अपेक्षा मुस्लिम समाज में महिलाएं अधिक शोषण की शिकार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल एक साथ तीन तलाक के मामले में अपना फैसला सुनाया है। उसने इस मामले की सुनवाई शुरू करते ही यह स्पष्ट कर दिया था कि बहुविवाह और निकाह हलाला जैसे विषयों पर बाद में सुनवाई होगी। इसके बाद भी उसके फैसले ने मुस्लिम समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर बहस शुरू की है। अच्छा हो कि मुस्लिम समाज बहुविवाह और निकाह हलाला पर भी खुले मन से विचार-विमर्श करे। यह स्वाभाविक है कि इस विमर्श में समान नागरिक संहिता का मुद्दा स्वतः शामिल हो जाएगा। वैसे भी यह माना जा रहा है कि समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग की रपट आने के बाद मोदी सरकार इस दिशा में कदम उठाएगी। उसे ऐसे कदम उठाने भी चाहिए, लेकिन उसके ऐसा करने की स्थिति में इसका अंदेशा है कि मुस्लिम समाज के धर्मगुरु और पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठन विरोध कर सकते हैं। जमात ए इस्लामी तो तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध अभी भी कर रहा है। उसके जैसे संगठन यह भी दलील दे रहे हैं कि बहुविवाह और निकाह हलाला उनके धर्म का हिस्सा हैं। वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि धर्म आधारित कानून भी इंसान ही बनाते हैं और अगर बदलते सामाजिक परिवेश के साथ पुरुषों और महिलाओं को बराबर का अधिकार न देने वाले कानूनों को बदला नहीं जाएगा तो फिर उनका समाज पिछड़ेपन से मुक्त कैसे हो सकता है? समान नागरिक संहिता देश के नागरिकों को समान अधिकार देने के साथ ही सामाजिक एकता को मजबूत करने का भी काम करेगी। वह सबमें बराबरी का भाव भी पैदा करेगी। अच्छा होता कि सुप्रीम कोर्ट ऐसा कुछ कहता कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव हो सकते हैं।

समान नागरिक संहिता के मामले में यह ध्यान रहे कि इसकी आवश्यकता संविधान निमार्ताओं ने भी जताई थी। किसी भी देश के लिए उसका संविधान सर्वोपरि होता है और उससे जो मौलिक अधिकार मिलते हैं उनके जरिये अलग-अलग समाजों के लिए स्वीकार्य साझा पर्सनल लॉ बनाया जा सकता है। आखिर जब दुनिया के अन्य देशों में यह काम हो सकता है यानी समान नागरिक संहिता बन सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं बन सकती?

हमदर्द सरकारें

केंद्र और राज्य सरकार ने राज्य के बाढ़ पीड़ितों के प्रति जैसी संवेदनशीलता दिखाई, उससे संकटग्रस्त लोगों के जख्मों पर बेशक मरहम लगा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये फौरी सहायता राशि आवंटित कर दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले ही इस आशय की घोषणाएं कर चुके हैं। अब कसौटी यह है कि सहायता राशि कितनी जल्दी पीड़ितों के हाथ में पहुंचाई जा सकती है ताकि वे अपनी उजड़ी घर-गृहस्थी नए सिरे से बसा सकें। प्रधानमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों के लिए फिलहाल 500 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है यद्यपि आसार हैं कि जल्द ही राज्य सरकार की अपेक्षा के अनुरूप केंद्र से और सहायता मिलेगी। यह राहतबख्श निर्णय है कि बाढ़ की विभीषिका में प्राण गंवाने वाले व्यक्तियों के परिवारीजनों को चार के स्थान पर छह लाख रुपये मुआवजा राशि दी जाएगी। राज्य सरकार के चार लाख के प्रावधान में केंद्र सरकार ने दो लाख रुपये जोडने की घोषणा की है। इसमें दो राय नहीं कि इस साल बिहार ने बाढ़ का अभूतपूर्व संकट झेला।

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में निर्वाचित सरकारों की कर्तव्यपरायणता की कसौटी यही होती है कि जनता के संकट की घड़ी में उसके साथ खड़ी दिखें। राज्य की बाढ़ के संदर्भ में केंद्र और राज्य सरकारें इस कसौटी पर खरी साबित हुई। करीब दो सप्ताह पूर्व बाढ़ का प्रकोप गहराते ही राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्र ने जिस तरह तुरंत सेना और अन्य मदद बिहार भेजी, उससे बाढ़ से निपटने में न सिर्फ राज्य सरकार का मनोबल बढ़ा बल्कि जन-धन की हानि सीमित करने में भी मदद मिली। बाढ़ में 400 से अधिक लोग प्राण गंवा चुके हैं यद्यपि बाढ़ की भयावहता देखते हुए माना जा रहा है कि केंद्र और राज्य सरकार का इंतजाम प्रभावी न होता तो जन-धन की हानि का आंकड़ा और बड़ा हो सकता था। राज्य सरकार के तंत्र की बड़ी जिम्मेदारी है कि जो भी सहायता संभव है, वह यथाशीघ्र बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई जाए। सबसे बड़ा संकट उनके सामने है जिनके घर इस आपदा में ध्वस्त हो गए। ऐसे पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर सहारा दिया जाना चाहिए ताकि वे अपने घर की नई दीवारें खड़ी कर सकें। फसलों और मवेशियों के रूप में हुए नुकसान की भी यथासंभव भरपाई की जानी चाहिए।

रिलीज से पहले मुश्किल में फंसी 'बादशाहो' फिल्म, गाने पर फंसा पेंच

मुंबई। एक्टर इमरान हाशमी और एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अभिनीत फिल्म बादशाहो मुश्किल में पड़ गई है। फिल्म दीवार के गाने कह दू तुम्हें, या चुप रहूं के रीमिक्स संस्करण का फिल्म बादशाहों में इस्तेमाल किया गया है। 1975 में रिलीज हुई दीवार की निमार्ता कंपनी के ऐतराज के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि इस गीत को फिल्म से हटाने के बाद फिल्म रिलीज की जाए। यह फिल्म 1 सितंबर को रिलीज होने वाली है। अमिताभ बच्चन और शशी कपूर अभिनीत दीवार की निमार्ता कंपनी त्रिमूर्ति फिल्म प्राइवेट लिमिटेड ने इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका दायर किया था। याचिका में दावा किया गया था कि सुपर कैसेट इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड ने बिना अनुमति के फिल्म बादशाहो में कह दू तुम्हें.. गाने को शामिल किया है। यह कॉपी राइट से जुड़े नियमों का उल्लंघन है। याचिका के अनुसार त्रिमूर्ति फिल्म ने कहा कि आरडी बर्मन ने इस गाने की धुन तैयार की थी, जबकि साहिर लुधियानवी ने यह गीत लिखा था। इन दोनों से मैने संगीत व गीत के मालिकाना हक को लेकर 1974 में करार किया था। फिर भी गाने को रीमिक्स के रूप में बादशाहो फिल्म में शामिल किया गया है।

गाने की सीडी बेचने पर भी रोक

न्यायमूर्ति के. आर श्रीराम के सामने मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान प्रतिवादी की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने स्वीकार किया कि गाने व संगीत का मालिकाना हक याचिकाकर्ता के पास है, जिसे उसने एक कंपनी को बेचा था। यह कंपनी अब यूनिवर्सल म्यूजिक के रूप में जानी जाती है। फिल्म में जो गाना दिखाया गया है वह मूल गीत से थोड़ा अलग है। यह एक तरह का रीक्रिएशन है। मामले से जुड़े दोनों पक्षों को सुनने व तथ्यों पर गौर करने के बाद अदालत ने पाया कि इस प्रकरण में कॉपीराइट से जुड़े नियमों का उल्लघन हुआ है, इसलिए कह दू तुम्हें.. गाने के साथ फिल्म को प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है। इस गाने के बिना फिल्म का प्रदर्शन किया जाए। इसके साथ ही इस गाने की सीडी बेचने पर भी रोक लगाई गई है।

'मां को ब्रेन ट्यूमर है, सैलरी भी कम है, कुछ करो', बेटी ने लिखा लेटर

वर्धा (महाराष्ट्र)। वर्तमान की महंगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। लगातार बढ़ रही मंहगाई के दौर में मात्र साढ़े 6 हजार रुपए में गुजारा होना असंभव है। परंतु राज्य महामंडल द्वारा चलाए जा रहे एसटी बसों में कार्यरत कंडक्टर को मात्र साढ़े 6 हजार रुपए में गुजारा करना पड़. रहा है। 12 वर्षों से महामंडल में कार्यरत एसटी महिला कंडक्टर की 10 वर्षीय पुत्री ने इस संबंध में शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। वर्धा जिले के हिंगणघाट तहसील निवासी तारा किशोर राऊत हिंगणघाट डिपो में बस कंडक्टर के तौर पर कार्यरत है। बीते 12 वर्ष पूर्व वह मात्र 3000 रुपए मासिक वेतन से कार्य शुरू किया है। परंतु आज तक मात्र उन्हें 6 हजार 679 रुपए वेतन मिल रहा है। ऐसे में गत नव बर माह में उनका मेजर ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन हुआ। परंतु राज्य परिवहन ने उन्हें एक रुपए की भी मदद नहीं दी है। साथ ही पांच माह के अवकाश के दौरान भी वेतन नहीं दिया गया। जिससे उनके हालात काफी कमजोर है। तारा राऊत के पति किशोर राऊत मजदूरी करते हैं। ऐसे में परिवार का भरनपोषण मात्र साढ़े 6 हजार रुपए में करना पड़ रहा है। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर अनेक बार ज्ञापन सौंपा गया। लेकिन अनदेखी की गई, जिस कारण तारा राऊत की 10 वर्षीय पुत्री जान्हवी राऊत ने शिवसेना तहसील प्रमुख उद्धव ठाकरे को पत्र भेजकर उन्हें अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत कराया है।

बढ़ रहीं छेड़छाड़ की घटनाएं : महिला कंडक्टर को रात के समय ड्युटी करनी पड़ती है। परंतु रात के समय बस में अनेक बार कुछ यात्रियों में महिला कंडक्टर के साथ भी छेड़छाड़ की घटनाएं भी हो रही है। इस संबंध में विरोध करने पर महिला कंडक्टर के ही खिलाफ शिकायत दर्ज की जा रही है। इस संबंध में हाल ही में एक यात्री ने हिंगणघाट डिपो प्रमुख के समक्ष महिला कंडक्टर के खिलाफ शिकायत की है। इस संबंध में डिपो प्रबंधक के साथ महिला कंडक्टर की टीम ने समुद्रपुर पुलिस थाना में शिकायत करनी चाही, परंतु पुलिस ने शिकायत लेने से इंकार कर दिया है। इस संबंध में उचित कार्रवाई कर महिला कंडक्टर को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की जा रही है।

लघु सिंचाई परियोजना में गड़बड़ी के आरोपों से जुड़ी जांच वाली याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लघु सिंचाई परियोजना में कथित गड़बड़ी के आरोपों की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया था कि साल 2010 से लेकर अब तक इस परियोजना में हुई गड़बड़ी के जांच के निर्देश दिए जाए। सामाजिक कार्यकर्ता एन बरासे ने याचिका में कर्जत तालुका के दो बांधों के निर्माण में बड़े पैमाने पर निधि के दुरुपयोग व गबन करने के आरोप लगाए थे। मुख्य न्यायाधीश मंजूला चिल्लूर व न्यायमूर्ति नितिन जामदार की खंडपीठ ने याचिका में उल्लेखित तथ्यों पर गौर करने के बाद पाया कि याचिकाकर्ता ने अपने दावे व आरोपों के समर्थन में प्रमाणिक दस्तावेज पेश नहीं किए है। वहीं राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ने गलत इरादे से यह याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता के खिलाफ पुलिस में कई मामले दर्ज कराए गए है। इसके अलावा याचिकाकार्ता एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता था जिसने उसे पैसा वसूलने व ब्लैकमेलिंग के आरोप में निकाल दिया है। सरकारी वकील ने कहा कि कर्जत के जिन बांधों को लेकर याचिकाकर्ता ने शिकायत की थी उसकी हमने जांच की है और जांच में हमने याचिकाकर्ता की शिकायत को गलत पाया है। सरकारी वकील की इन दलीलों को सुनने के बाद व याचिका में उल्लेखित तथ्यों पर गौर करने के बाद खंडपीठ ने याचिका को समाप्त कर दिया। राज्य में सूखे की स्थिति पर निगरानी रखने के लिए सरकार एक व्यवस्था बनाने पर विचार कर रही है। ताकि सूखे की स्थिति का पहले ही अंदाजा लगाया जा सके। इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक हुई है। जल्द ही इस व्यवस्था को अस्तित्व में लाने को लेकर आदेश जारी किए जाएंगे। राज्य सरकार के राहत व पुनर्वास विभाग के अधिकारी ने हलफनामे के जरिए बॉम्बे हाईकोर्ट को यह जानकारी दी है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'आस्था के नाम पर हिंसा...

सदियों से हमारे पूर्वजों ने सार्वजनिक मूल्यों, अहिंसा को, समादर को स्वीकार किया है। ये हमारे जेहन में भरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने लाल किले से कहा था कि आस्था के नाम पर हिंसा बर्दास्त नहीं होगी। चाहे वो सांप्रदायिक हिंसा हो, चाहे वो विचार धाराओं के प्रति हिंसा हो, चाहे वो व्यक्ति के प्रति हिंसा हो। आस्था के नाम कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। बाबा साहब ने हमें जो संविधान दिया है उसमें हर व्यक्ति को न्याय पाने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं देश वासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कानून हाथ में लेने वाले, हिंसा की राह पर दमन करनेव वाले किसी को भी ये देश और सरकार बर्दाश्त नहीं करेगा। हर किसी को कानून के आगे झुकना होगा, कानून जवाबदेही तय करेगा और दोषियों को सजा देकर रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, तीन साल पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरआत की थी। दो अक्टूबर को इस अभियान को तीन साल हो जाएंगे। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। शौचालय की कवरेज 39% से बढ़कर 67% पहुंची है। दो लाख तीस हजार से ज्यादा गांव खुले में शौच से खुद को मुक्त घोषित कर चुके हैं। इस बार 15 सितंबर से ही ह्रस्वच्छता ही सेवा मंत्र को घर घर तक पहुंचाएं। मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि ऐसी स्वच्छता खड़ी कर दें कि सचमुच में गांधी के सपनों वाली 2 अक्टूबर हो जाए। मोदी ने कहा, हमारा देश विविधताओं से भरा है। 365 दिन में से कोई दिन शायद ही बिना त्योहार के गुजरता हो। हमारे त्योहार प्रकृति के बदलाव से जुड़े हुए हैं। जैन समाज को त्योहार की बधाई देता हूं। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है। शेक्सपीयर ने मर्चेंट ऑफ वेनिस में भी क्षमा का उल्लेख किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस है। हॉकी के जादुगर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस है। खेल के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। खेल से जीवन में स्फूर्ति आती है। आजकल ज्यादातर बच्चे कंप्यूटर पर गेम खेलते रहते हैं। आज बच्चे घर में ही खेलते रहते हैं। मैदान में खुले आसमान के नीचे खेलिए। अब तो मांएं कहती हैं कि बेटा तू कब घर से बाहर जाएगा। पहले इसका उल्टा होता था। मां कहती थी- बेटा, तू कब आएगा।

PMO असली वफादार की तलाश में

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) अपने ही चुने हुए अधिकारियों द्वारा दिए आघात के बाद बहुत चिंतित है। मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोती और चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने मोदी सरकार को परेशानी में डाल दिया है। जोती गुजरात सरकार में मोदी के नेतृत्व में मुख्य सचिव रहे। ओपी रावत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सलाहकार रहे। दोनों ने भाजपा की वफादारी का टैस्ट पास किया था।

पीएमओ में डिप्टी प्रिंसीपल सचिव पीके मिश्रा ने चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था में भेजने से पूर्व उनकी पूरी तरह जांच-पड़ताल की थी मगर दोनों ने उस समय पीएमओ और भाजपा नेतृत्व को आघात पहुंचाया जब उन्होंने गुजरात से राज्यसभा सीट के लिए अपना विवादास्पद फैसला सुनाया जिससे कांग्रेस के अहमद पटेल की जीत का मार्ग प्रशस्त हुआ। राज्यसभा चुनाव के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था जब मत पेटी में डाले गए मतों को मतगणना से पूर्व निकाला जाए और उन्हें अवैध घोषित किया जाए।

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने अरुण जेतली सहित कई मंत्रियों को चुनाव आयोग भेजा था ताकि वह कोई विपरीत फैसला न दे मगर न तो जोती ने, न ही रावत ने भाजपा नेताओं की बात सुनी। दोनों अधिकारी अगले आम चुनावों से पूर्व सेवानिवृत्त हो जाएंगे इसलिए प्रधानमंत्री मोदी अधिक विश्वसनीय सेवानिवृत्त नौकरशाहों की तलाश कर रहे हैं जिन्हें चुनाव आयोग में भेजा जाएगा। नसीम जैदी के सेवानिवृत्त होने के बाद चुनाव आयोग में एक स्थान रिक्त है। जोती-रावत के गुजरात मामले में विद्रोही रुख के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि कौन वफादार है और कौन विश्वासपात्र? अब जो भी मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया जाएगा वह पद पर बना रहेगा जब लोकसभा के चुनाव होंगे। सरकार इस संबंध में बड़ी तलाश में है।.

पटना महारैली में बोले तेजस्वी

'हर-हर मोदी, घर-घर मोदी नहीं','बर्बर मोदी, गड़बड़ मोदी'

गांधी मैदान में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की 'देश बचाओ, भाजपा भगाओ' रैली में विपक्ष की एकता देखने को मिल रही है। लालू यादव और उनके परिवार के अलावा शरद यादव, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, गुलाम नबी आजाद, सीपीआई नेता डी राजा, कांग्रेस के हनुमंत राव, डीएमके के एलांगोवन, एनसीपी के तारिक अनवर मंच पर मौजूद हैं। लालू ने मंच पर ही शरद यादव को गले लगाया।

पीएम मोदी-नीतीश पर साधा निशाना

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश 28 साल के नौजवान से डर गए। नीतीश धोखेबाज हैं, ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको उन्होंने ने ठगा नहीं। उन्होंने जॉर्ज फर्नांडिस, दिग्विजय सिंह, शरद यादव, महागठबंधन के लोगों को धोखा देने का काम किया। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन टूटा नहीं है। असली जदयू हमारे अभिभावक शरद यादव का है। उनको डराया गया कि आप रैली में नहीं जाएंगे लेकिन वो हमारे साथ खड़े हैं। तेजस्वी ने कहा कि नीतीशजी मेरे चाचा है और रहेंगे लेकिन वो अच्छे चाचा नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि लोग आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, मैं पीएम से अपील करता हूं कि 2 करोड़ लोगों को रोजगार दें और हर किसी के खाते में 15 लाख जमा करें।

समर्थकों के लिए पूरा इंतजाम

राज्य भर से आरजेडी के तमाम समर्थक पटना आना शुरू हो गए हैं। राज्य के 20 जिलों में बाढ़ आई हुई है, इसके बावजूद भी कोशिश की जा रही है कि वहां के समर्थक भी रैली में पहुचे। राज्य के चारों तरफ से बसों, ट्रेनों, निजी वाहनों के अलावा नाव से भी समर्थकों को पटना लाया जा रहा है। आरजेडी ने अपने समर्थकों के रहने, खाने-पीने की पूरी व्यवस्था कर रखी है। पार्टी के 80 विधायक, सात पार्षद और तीन सांसद ये पूरा जिम्मा उटाए हुए हैं। कार्यकत्ताओं के रहने के लिए बड़े-बड़े शामियाने लगाए गए हैं।

लालू-तेजस्वी की होर्डिंग्स में रंगा शहर

रैली को लेकर पूरा पटना पार्टी के हरे रंग के बैनर और पोस्टर से पटा हुआ है। शहर में कई जगह तोरणद्वार लगाए गए हैं। लालू और तेजस्वी के बड़े-बड़े होर्डिंग्स से पूरा रंगा नजर आ रहा है।.

पाकिस्तान को लेकर अमरीका का कड़ा फैसला

अमरीका ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के लिए अब शर्तें रखने का फैसला किया है। अमरीका ने कहा है कि पाक को अब शर्तो के साथ दी सैन्य मदद दी जाएगी। देखा जाएगा कि पाकिस्तानी सेना और एजेंसियों ने आतंकी संगठनों, तालिबान और उसके हक्कानी नैटवर्क के खिलाफ क्या कार्रवाई की। यह जानकारी अमरीकी सरकार के एक उच्च अधिकारी ने दी है। समाचार एजेंसी से बातचीत में अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के आतंकी संगठनों के सरगनाओं से बहुत पुराने संबंध हैं। ये संबंध रातों-रात खत्म हो जाएंगे लेकिन अब अमरीका कार्रवाई होते हुए और उसका नतीजा आते हुए देखना चाहता है। अधिकारी का यह बयान अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वक्तव्य के बाद आया है जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को आतंकियों का सुरक्षित अड्डा बताया था। पाकिस्तान को लेकर इस तरह का कड़ा वक्तव्य पहली बार किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिया है। ट्रंप ने आतंकी संगठनों पर कार्रवाई न करने पर पाकिस्तान को दुष्परिणामों की चेतावनी भी दी है। अधिकारी ने कहा, हम देखेंगे कि बदलाव का यह सिलसिला कब शुरू होता है। हमें विश्वास है कि पाकिस्तान आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा और इसके परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। पाकिस्तान आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने में सक्षम है। इसलिए हम उसकी कार्रवाई को देखकर ही उसकी सैन्य सहायता का निर्धारण करेंगे।

काशी हिन्दू धर्म के आस्था का केन्द्र बनेगा-योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में मंदिरों को आपस जोड़ने के लिए पावन पथ बनाने के निर्देश दिए हैं। योगी ने कहा है कि धर्मनगरी काशी देश-विदेश के लोगों के आकर्षण का केन्द्र है। पावन पथ के रूप में इसके प्रमुख मन्दिरों का सर्किट तैयार कर पूरी तरह विकसित कर दिए जाने से श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होने काशी विश्वनाथ को केन्द्र मानते हुए महामृत्युंजय महादेव, कालभैरव समेत 9 दुर्गा एवं 9 गौरी के मंदिरों का सर्किट के रूप में पावन पथ बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री अपने 2 दिवसीय वाराणसी दौरे के पहले दिन शाम सर्किट हाउस में जिलास्तरीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होने कहा कि काशी सनातन हिन्दू धर्म की आस्था का केन्द्र है। पावन पथ के मार्गों को अतिक्रमणमुक्त कराकर मार्गों का सुन्दरीकरण, प्रकाश व्यवस्था तथा सफाई के समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

उन्होंने काशी को अतिक्रमणमुक्त किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सूची में काशी 32वें स्थान पर है, जबकि इसे एक नम्बर पर होना चाहिए। उन्होंने वरुणा पेयजल परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा के दौरान ट्रांस वरुणा के तहत 23 में सात एवं सिस वरुणा में 25 में 17 ओवरहेड टंकियों से पेयजलापूर्ति होने की जानकारी पर नाराजगी जताते हुए शेष 24 ओवरहेड टंकियों से भी पेयजलापूर्ति सुनिश्चित कराए जाने के लिये युद्धस्तर पर अभियान चलाकर लाइनों को दुरुस्त कराए जाने के निर्देश दिए।

योगी ने भू-माफियाओं पर की जा रही कार्रवाई को नाकाफी बताया तथा सार्वजनिक, सरकारी एवं गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले भू-माफियाओं के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने के साथ ही उनके कब्जे से जमीनों को खाली कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी गरीब व दलित का उत्पीड़न बर्दास्त नहीं किया जाएगा। किसी गरीब की झोपड़ी उजाड़ने के बजाए उसकी पात्रता के आधार पर उसे भूखंड आवंटित किया जाए।

उन्होंने पुलिस का लोगों में भरोसा बनाए रखने के लिए अधिकारियों को रोजाना कम से कम 45 मिनट फुट पेट्रोलिंग किए जाने के निर्देश दिए। डायल 100 को और प्रभावी बनाए जाने पर विशेष जोर देते हुए योगी ने कहा कि डायल 100 वसूली की गाड़ी न बनने पाए। इन डायल-100 के वाहनों से पेट्रोलिंग कराकर अपराध नियंत्रण किए जाने पर जोर देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को इसकी मॉनीटरिंग किए जाने के निर्देश दिए।

गुजरात CM ने भगवान राम को बताया इंजीनियर

गुजरात सीएम विजय रुपानी ने भगवान राम के तीर की तुलना इसरो की मिसाइल से की है। शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट (आईआईटीआरएएम) के कॉन्वोकेशन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि रामायण में भगवान राम के जिस तीर का ज़िक्र किया गया है वह ISRO की मिसाइल हैं इसलिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और सामाजिक इंजीनियरिंग को इसमें शामिल करने का श्रेय भगवान राम को जाता है। इतना ही नहीं सीएम ने कहा कि इसरो जो काम आज कर रहा है, भगवान राम ने उन लोगों को आजाद कराने के लिए इस्तेमाल किया था।

इंजीनियर थे राम

रूपानी ने कहा कि कल्पना कीजिए राम किस तरह के इंजीनियर थे, जिन्होंने भारत और श्रीलंका को जोड़ने के लिए पुल का निर्माण किया। गिलहरी तक ने पुल के निर्माण में मदद की पेशकश की थी। आज भी लोग कहते हैं कि राम सेतु के अवशेष समुद्र में हैं। राम सेतु राम की कल्पना थी और इंजीनियरों ने तब अस्थायी पुल बनाया था।

तब भी होता था शोध

उन्होंने कहा कि जब लक्ष्मण युद्ध में बेहोश हो गए तो विशेषज्ञों का मानना था कि उत्तर में एक जड़ी बूटी थी जो उन्हें ठीक कर सकती थी, यानी तब शोध उपलब्ध था। जब हनुमान भूल गए कि किस जड़ी बूटी को चुनना है तो वह पूरे पहाड़ को ले आए तब किस तरह की तकनीक थी, जो पूरे पर्वत को लाने में मदद कर सकती थी? यह बुनियादी ढांचे के विकास की एक कहानी है।

राम ने आदिवासियों का विश्वास अर्जित किया

सीएम ने आगे कहा कि हथियारों और बुनियादी ढांचे के अलावा राम ने सामाजिक इंजीनियरिंग में भी काम किया, वो सभी जातियों को एक साथ लाए। तथ्य यह है कि उन्होंने शबरी के बेर भी खाए, जो दिखाता है कि उन्होंने आदिवासियों का विश्वास अर्जित किया था। कल्पना कीजिए सुग्रीव, हनुमान और बंदरों की सेना, यह सामाजिक इंजीनियरिंग था। रुपानी के अनुसार, महात्मा गांधी ने इस राम राज्य के बारे में कहा था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए काम कर रहे हैं। इस दौरान इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के डायरेक्टर तपन मिश्रा भी वहां उपस्थित थे।

हरियाणा में आज भी बंद रहेंगी इंटरनेट सेवा

हरियाणा में दोषी करार राम रहीम के फैसले को लेकर गृह सचिव राम निवास ने स्थिति को देखते हुए अगले 48 घंटों तक इंटरनेट सेवाएं बंद रखने का ऐलान कर किया है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार ने फैसले से पहले इंटरनेट सेवा बंद की थी। इसके साथ ही उन्होंने बस सेवा और रेल सेवाएं भी बंद कर दी थी। लेकिन कल ही रेल सेवाएं और बस सेवाओं को बहाल कर दिया गया था।

फिल्म हसीना का ट्रेलर लॉन्च

मोहित अरोरा, अंकुर वर्मा, अरपीत सोनी, जिन्होंने टीवी शो किए हैं, वह विक्की राणावत की फिल्म हसीना में आ रहे हैं। इस फिल्म का ट्रेलर अंधेरी स्थित द व्यू में लॉन्च किया गया, जहां अनूप जलोटा, मेहुल कुमार, मुकेश ऋषि, ब्राइट आउटडोअर के योगेश लखानी, केतन देसाई, सुनील पॉल और सुरेंद्र पॉल विशेष रूप से इस अवसर पर आए। इनायत शर्मा और ख्याती शर्मा को ग्लैमरस रुप में देखा गया। इस फिल्म के निमार्ता खुशी फिल्मस के विक्की राणावत और हर्ष ड्रीम वेंचर्स के जितेंद्र वाघडिया है। फिल्म का ट्रेलर मीडिया और अतिथि को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में विक्की राणावत ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। जी म्यूजिक कंपनी ने फिल्म के संगीत अधिकारों को लिया है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, 2016 से पहले नहीं हुई कोई सर्जिकल स्ट्राइक

सेना के सैन्य अभियान महानिदेशालय (डीजीएमओ) के पास 29 सितंबर, 2016 से पहले हुई किसी भी सर्जिकल स्ट्राइक का कोई रिकार्ड नहीं है। एक आरटीआई अर्जी के जवाब में रक्षा मंत्रालय (सेना) की एकीकृत मुख्यालय में डीजीएमओ ने कहा कि 29 सितंबर, 2016 को एक सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी। जवाब के अनुसार, ह्यह्यअगर इससे पहले कोई सर्जिकल स्ट्राइक की भी गई हो तो यह सेक्शन अन्य किसी ऐसे हमले का रिकार्ड नहीं रखता है। इसमें कहा गया कि डीजीएमओ ने संवाददाता सम्मेलन में इस पर बयान जारी किया था। रक्षा मंत्रालय में आरटीआई अर्जी दाखिल कर भारतीय सेना के रिकार्ड में दर्ज सर्जिकल स्ट्राइक की परिभाषा भी पूछी गई थी। डीजीएमओ ने जवाब में कहा कि खुले स्रोत में उपलब्ध जानकारी के अनुसार सिंजकल स्ट्राइक की परिभाषा है, ऐसा अभियान जो विशेष खुफिया सूचना पर आधारित है, अधिकतम प्रभाव से किसी वैध सैन्य लक्ष्य पर केंद्रित होता है और जिसमें इस पक्ष का न्यूनतम नुकसान होता है या बिल्कुल नुकसान नहीं होता है। इसमें सोचे-समझे तरीके से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया जाता है, बिल्कुल सटीक तरीके से कार्रवाई की जाती है और तेजी से जवानों के शव वापस बेस में लाये जाते हैं। आवेदन में रक्षा मंत्रालय से यह भी पूछा गया कि क्या 29 सितंबर, 2016 के डीजीएमओ के बयान में जिस सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख है, वो भारतीय सेना के इतिहास में पहला ऐसा लक्षित हमला था। यह भी पूछा गया कि क्या सेना ने 2004 से 2014 के बीच सर्जिकल स्ट्राइक की थी। मंत्रालय ने आरटीआई अर्जी को एकीकृत मुख्यालय (सेना) को भेज दिया जिसने डीजीएमओ से सूचना मांगी। डीजीएमओ ने जवाब प्रदान किए जिन्हें एकीकृत मुख्यालय (सेना) ने याचिकाकर्त्ता को भेजा। पिछले साल 28-29 सितंबर की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने एलओसी पार करके आतंकी लांच पैड पर लक्षित हमले किए थे जिनमें पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को बहुत नुकसान हुआ था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अंधेरी पश्चिम का स्टार बाजार मॉल खतरे में!

क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

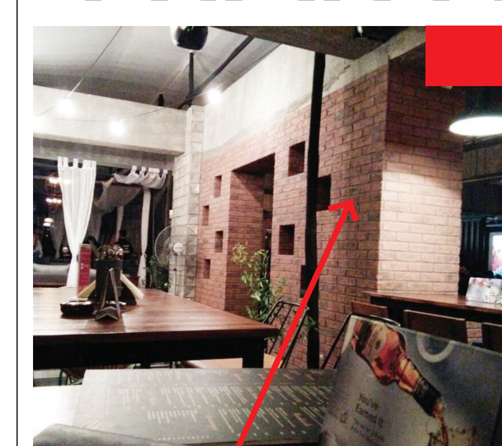

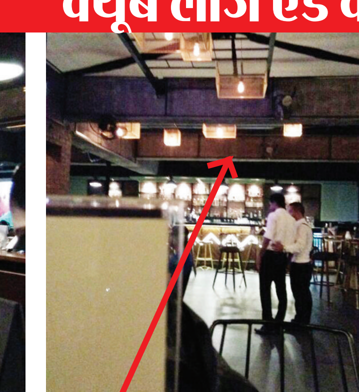

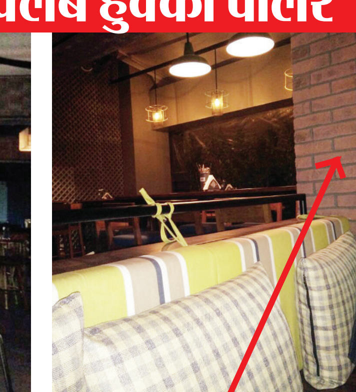

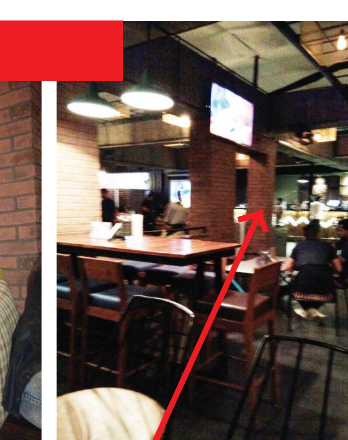

कमजोर और खतरनाक स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बने इस अवैध बांधकाम की दीवारों का बोझ क्या यह इमारत सह पाएगी?

फिर भी यहां गैर कानूनी तरीके से बांधकाम किया गया है। जिस कारण यह इमारत पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो गई है। जैसा कि सभी जानते हैं कि मॉल की दिवारें सिर्फ कांच, अल्मूनियम और एग्रील के सहारे टिकी होती हैं और इस पर लोड होने की वजह से इसके ध्वस्त होने की प्रमुख वजह बन सकती है। इन सबसे अधिक खतरनाक बात तो यह है कि इस स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर क्यूब लांज एंड क्लब में बने हुक्का पार्लर के कारण मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से यहां युवा पीढ़ी का जमावड़ा लगा होता है। इस तरह एक तरफ जहां यहां युवा पीढ़ी को हुक्का के नशे में डूबकर बरबाद होते देखा जा सकता है तो दूसरी तरफ भीड़ की वजह से इस स्टार बाजार मॉल के धंसने का भी खतरा काफी बढ़ गया है।

क्योंकि कांच, अल्मूनियम और एग्रील के सहारे टिकी दिवारे इतना लोड कैसे बर्दास्त कर सकती हैं। अभी बरसात के मौसम में इस स्टार बाजार मॉल की हालत बिल्कुल खतरनाक बनी हुई है लेकिन न तो मनपा और न पुलिस प्रशासन की तरफ से किसी तरह की कोई कार्रवाई की गई है ताकी समय रहते किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

3 साल में मिलेगा एडवांस मिसाइल सिस्टम

70 किमी तक हमले को नाकाम करेगा

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी को 2020 तक जमीन से हवा में मार करने वाला एडवांस मिसाइल सिस्टम (MRSAM) मिलेगा। इससे आर्मी की एयर डिफेंस पावर मजबूत होगी। ये मिसाइल 70 किलोमीटर तक दुश्मन की मिसाइल, फाइटर जेट्स और अटैक हेलिकॉप्टर्स को मार गिराने में सक्षम होगी। इस मिसाइल सिस्टम को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (DRDO) और इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (IAI) मिलकर तैयार करेंगे। फिलहाल इसके पुराने वर्जन एयरफोर्स और नेवी के पास मौजूद हैं। खबर के मुताबिक, डीआरडीओ के एक सीनियर अफसर ने बताया कि मीडियम रेंज एडवांस मिसाइल सिस्टम अगले तीन साल में तैयार हो जाएगा। यह दुश्मन की हमलावर मिसाइलों, एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर, ड्रोन, सर्विलांस एयरक्राफ्ट को मार गिराने की ताकत रखता है। जमीन से हवा में मार करने वाली इस मिसाइल की रेंज 70 किलोमीटर तक होगी। फिलहाल इसके पुराने वर्जन को इंडिया एयरफोर्स और नेवी इस्तेमाल कर रहे हैं।

360 डिग्री पर मार करेगा एडवांस सिस्टम

सूत्रों के मुताबिक, मिसाइल सिस्टम जमीन से मोबाइल लॉन्चर से जरिए 360 डिग्री पर मार कर सकेगा। इससे युद्ध के दौरान कई तरह की हमले नाकाम होंगे और एयर डिफेंस पावर मजबूत होगी। मिसाइल का पहला सेट अगले तीन साल में आर्मी को मिलेगा। आर्मी ने एरियल अटैक कैपिसिटी बढ़ने के लिए सरकार को प्रपोजल दिया था। एडवांस मिसाइल सिस्टम तैयार करने के लिए डीआरडीओ ने इजरायली कपंनी के साथ 17 हजार करोड़ रुपए की डील की है। इसके मुताबिक, आर्मी को 40 फायरिंग यूनिट और 200 मिसाइलें मिलेंगी।

2 साल पहले मिलीं आकाश मिसाइलें

आर्मी को 2015 में भारत में बना सुपरसोनिक आकाश मिसाइल सिस्टम मिल चुका है। आकाश मिसाइलें 25 किलोमीटर तक दुश्मन के हेलिकॉप्टर, मिसाइल और ड्रोन को मार गिरा सकती हैं। बता दें कि मई महीने में आर्मी ने अंडमान निकोबार में सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का कामयाब टेस्ट किया था। इंडियन आर्मी दुनिया की पहली फोर्स है जिसके पास 2007 से ही ब्रह्मोस मिसाइलें हैं।

बाजार से गंदे नोटों को मार्च 2018 तक बाहर करेगा 200 का नोट

कानपुर। दो सौ रुपये के नए नोट बाजार में मौजूद करीब 2000 करोड़ रुपये के गंदे नोटों को बाहर कर देंगे। ये नोट नोटबंदी में नकदी संकट के दौरान रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआइ) और बैंकों से जारी किए गए थे। नकद नहीं होने के कारण जनता इन्हें लेने को मजबूर थी। 200 रुपये का नोट आने के बाद इन नोटों को वापस लेना आसान होगा। मार्च 2018 तक सभी पुराने गंदे नोट वापस हो जाएं, ये लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों का कहना है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए 200 रुपये के नोट को एटीएम के लिए जारी नहीं किया जाएगा। बैंकों को एटीएम की कैश ट्रे के नए कांफीग्रेशन के कोई निर्देश नहीं मिले हैं। दो सौ रुपये के नए नोट पहली बार आ रहे हैं इसलिए जब तक इमेज कांफीग्रेशन पूरी नहीं होती तब तक ये नोट एटीएम से जारी नहीं होंगे। ये नोट बैंक काउंटर से ही जारी

किए जाएंगे। कानपुर में इन नोटों के पहुंचने की संभावना अगस्त के अंतिम दिनों में है जबकि सितंबर के पहले सप्ताह में ये नोट बैंकों में पहुंच जाएंगे। आरबीआइ ने शुक्रवार को चुनिंदा शहरों में नए मूल्य वाले 200 रुपये के नोट जारी किए। आरबीआइ सूत्रों के अनुसार इन नोटों को काफी मात्रा में बाजार में जारी किया जाएगा और बाजार में चल रहे स्वायल (क्लीन नोट पॉलिसी से इतर गंदे और गल चुके) नोट के रेमीटेंस (स्वायल नोट बदलने की प्रक्रिया) के रूप में दिया जाएगा। सितंबर से ये नोट बैंक के लिए जारी हो जाएं, इसके लिए मांग पत्र लिये जा रहे हैं। इसके लिए आरबीआइ की काउंटिंग शीट में बदलाव हो रहा है। एक बैंक अधिकारी का कहना है कि 200 रुपये के नोट की कैश ट्रे एटीएम में नहीं लगेगी। ये नोट काउंटर से बांटे जाएंगे। इससे स्वायल नोट बाजार से जल्दी बाहर होंगे।

बाजार की जरूरत 200 के नोट

आरबीआइ का कहना है कि चूंकि नोटों को प्रचलन सही रहे इसलिए 1:2:5 के अनुपात में नोटों का मूल्य उचित रहता है। अभी बाजार में एक, दो, पांच रुपये, 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 500 रुपये और 2000 रुपये के नोट हैं। 100 और पांच सौ रुपये के बीच कोई नोट नहीं था। 200 का नोट बाजार की जरूरत है। क्लीन नोट पालिसी के अनुसार जिस नोट पर लिखा गया हो, रंग हल्का, कागज नरम या नोट पीला पड़ गया हो, वह स्वायल नोट है। ये नोट बाजार में नहीं चलने चाहिए।

नकदी संकट में थे सहारा

नोटबंदी के दौरान स्वायल नोट ही बाजार का सहारा बने। नकदी संकट दूर करने के लिए आरबीआइ ने सभी बैंकों के रेमीटेंस वापस कर दिए थे। ये नोट सीवीपीएस (करेंसी वेरीफिकेशन एंड प्रोसेसिंग सिस्टम) के लिए गए थे। उल्लेखनीय है कि आरबीआइ कानपुर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड और आरबीआइ लखनऊ से पूर्वी उत्तर प्रदेश कवर होता है।

मेधावी बच्चों को पढ़ाई के लिए सरकार देगी मदद

गया। सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र की छात्राओं को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी दी गई। शनिवार को बेलागंज प्रखंड मुख्यालय के रामेश्वर उच्च विद्यालय के सभागार में क्षेत्र की छात्राओं को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी गई तथा लगभग सौ छात्र-छात्राओं का इसके लिए निबंधन किया गया। इस दौरान उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र के सहायक मनीष नंदन ने कहा कि सरकार के सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल कार्यक्रम से इच्छुक छात्र-छात्राओं को सरकार की ओर से आर्थिक सहयोग का प्रावधान है।

जुआ लूट में सिपाही निलंबित

चौकी प्रभारी का वीडियो वायरल

आगरा। होटल से जुआ लूट के मामले में दो सिपाहियों के निलंबित होने के बाद अब चौकी प्रभारी कटघरे में हैं। शनिवार को दारोगा का सिपाहियों के साथ रुपये का बंटवारा करते हुए का वीडियो वायरल हो गया। यह वीडियो छह माह पुराना बताया जा रहा है। अब इसकी जांच की जा रही है।

रकाबगंज क्षेत्र में बालूगंज चौकी के सिपाही रविंद्र गौतम और मुरारी ने 15 अगस्त को बालूगंज स्थित एक होटल में दबिश देकर जुआ खेल रहे युवकों से 50 हजार रुपये लूट लिए थे। मामला अधिकारियों तक पहुंचा तो जांच शुरू हो गई। चौकी प्रभारी बालूगंज ब्रजपाल सिंह ने दोनों सिपाहियों की रिपोर्ट इंस्पेक्टर को दी। इसमें आरोप सही पाए गए। मगर, मुकदमा दर्ज कराने को कोई तैयार नहीं हुआ। इंस्पेक्टर रकाबगंज की रिपोर्ट पर एसएसपी दिनेश चंद्र दूबे ने दोनों सिपाहियों को निलंबित कर दिया।

शनिवार शाम को बालूगंज चौकी प्रभारी ब्रजपाल सिंह का 1.31 मिनट का वीडियो वायरल हो गया। इस वीडियो में चौकी प्रभारी के सामने दो सिपाही खड़े दिख रहे हैं। इसमें चौकी प्रभारी अपने हाथ में लगे पांच हजार रुपये गिनते दिख रहे हैं और बाद में ढाई हजार रुपये उनमें से एक सिपाही के हाथ में देते हुए दिख रहे हैं। इसमें दारोगा यह भी कह रहे हैं कि वैसे कितने भी रुपये खर्च कर देगा, पुलिस को पांच हजार देने में भी जान निकलती है। इसको सुनने के बाद ऐसा लग रहा है कि ये पांच हजार रुपये कहीं से रिश्वत आई है, जिसमें से चौकी पर बंटवारा हो रहा है। यह वीडियो महकमे में चर्चा का विषय बन गया है। अधिकारी पेशबंदी में सिपाहियों द्वारा वायरल करने की बात कह रहे हैं। उधर, चौकी प्रभारी भी अपने बचाव में सामान के लिए रुपये देने की बात कह रहे हैं। मगर, वीडियो में सुनाई दे रही आवाज से ही उनकी बात झूठी साबित हो रही है।

पता नहीं कब आएंगे अच्छे दिन : अखिलेश

पटना। राजद की भाजपा भगाओ देश बचाओ रैली में समाजवादी सुप्रीमो व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर हमलावर होत हुए कहा कि 'न्यू इंडिया' वाले लोग पता नहीं कौन सा भारत बनाने चाहते हैं। हम तो किसानों और नौजवानों का भारत बनाना चाहते हैं। अखिलेश ने बिहार की नीतीश सरकार पर भी हमला किया तथा उन्हें डीएनए वाले चचा कह तंज कसा। अखिलेश यादव ने रैली को संबोधित करते हुए रैली में उमड़े जनसैलाब के लिए लालू प्रसाद यादव को बधाई दी। तंज कसते हुए कहा कि इस जन सैलाब को डिजिटल इंडिया की पार्टी (भाजपा) वाले भी गूगल पर देख रहे होंगे। यह 11 करोड़ जनता की आवाज है। कहा कि उत्तर प्रदेश में 22 करोड़ जनता की आवज है। बिहार की 11 करोड़ जनता की आवाज से आवाज मिला देगा। बंगाल से भी आवाज निकलेगी कि हमें देश बचाना है। अखिलेश ने कहा कि हम देश इसलिए बचाना चाहते हैं, क्योंकि भाजपा सरकार ने

देश को पीछे कर दिया है। गरीबों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी हुई है। तीन साल बीत गये, अब तो समझा दो कि अच्छे दिन कब आयेंगे। रैली के माध्यम से अखिलेश ने बिहार की जनता से पूछा कि तीन साल में उनके जीवन में कितना परिवर्तन आया? नौजवानों को तो कुछ मिला नहीं है और मिलेगा भी नहीं। वे जानते हैं कि मोबाइल पर कुछ फैला देंगे, टीवी पर कुछ फैला देंगे। ये तो भला हुआ कि राम-रहीम के चक्कर में कुछ सच सामने आने लगा है। केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि नोटबंदी से भ्रष्टाचार खत्म हो जायेगा, आतंकवाद खत्म हो जायेगा। हम बिहार की जनता से पूछना चाहते हैं कि आखिर किसका फायदा हुआ। हम पहले से ही कहते हैं कि पैसा काला-सफेद नहीं होता। लेन-देन के तरीके से होता है। नोटबंदी बैंकों में पैसा वापस लाने के लिए किया गया। अखिलेश ने आगे कहा, बिहार व उत्तर प्रदेश में बाढ़ आयी है। पैकेज दिया गया है। लेकिन, जिनकी जान चली गई, जिनकी गाय बह गई, उनका क्या होगा? कहा, न्यू इंडिया वाले लोग पता नहीं कौन सा भारत बनाना चाहते हैं।

किसी जन्नत से कम नहीं ये होटल, कोई बर्फ के बीच तो कोई...

घूमने-फिरने के शौकीन अपने लिए कोई न कोई खूबसूरत जगहे ढूढ़ ही लेते है। अगर वह जगह रहस्यमयी हो तो ट्रैवल करने का मजा दोगुणा बढ़ जाता है। वैसे तो दुनिया में कई खूबसूरत होटल है लेकिन आज हम जिन होटलों के बारे में आपको बताने जा रहे है, वह किसी रहस्य से कम नहीं है।

आइए जानते है इन रहस्मयी होटलों की खासियत

आइस होटल, स्वीडन

स्वीडन का आइस होटल पूरा बर्फ से निर्मित है। इस होटल को हर साल 40 हजार टन बर्फ का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। इसी के साथ होटल के अंदर पशुओं की कृतियों की नक्काशी की जाती है, जो इस होटल को और भी खूबसूरत बना देती है।

हाइड्रोपोलिस अंडरवाटर होटल, दुबई

यह होटल दुबई के मशहूर अंडर-वॉटर होटलों में से एक है इस होटल की खास बात यह है कि कमरों से लेकर डाइनिंग एरिया, मीटिंग हाल और इंडोर गेमिंग एरिया सभी कुछ ग्लास से बना हुआ है। जिस वजह से इस होटल मे से समुद्री मछलियों और बाकी जीवों को आसानी से देखा जा सकता है।

जिराफ मैनर, नैरोबी

जिराफ मैनर केन्या के नैरोबी में स्थित है। इस होटल की हाइट जिराफ के जितनी है और इतना ही नहीं इस होटल के आसपास जिराफ अक्सर नजर आ जाते हैं। जिनको टूरिस्ट अपने हाथों से खाना खिलाते है।

सूअर ने दिया ऐसे बच्चे को जन्म, देखकर हर कोई रह गया शॉक्ड

क्यूबा के पिनार डेल रिओ में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दरअसल, यहां एक किसान के घर सूअर ने ऐसे बच्चे को जन्म दिया जिसे देखकर हर कोई शॉक्ड है। जी हां, सूअर का यह बच्चा दिखने में बिल्कुल चिंपांजी की तरह लग रहा है। ये है पूरा मामला...

एक वेबसाइट के मुताबिक, सान जुआन वाई मार्टिनेज में एक किसान के यहां हाल ही में एक सूअर ने 10 बच्चे को जन्म दिया है। इसमें 9 बच्चे सामान्य हैं, जबकि एक बच्चे का शक्ल बिल्कुल चिंपांजी की तरह है। इतना ही नहीं उस बच्चे की आंख सिर के बीचोंबीच है। इस अजीबोगरीब बच्चे के जन्म होते ही पूरे इलाके में सनसनी मच गई और देखने के लिए भीड़ जमा हो गई। बाद में गांव वालों ने इस बच्चे की जांच के लिए वेटनरी डॉक्टर को भी बुलाया। हालांकि, डॉक्टर भी अभी तक कन्फ्यूज हैं कि ये कैसे संभव हो सकता है। फिलहाल, उस बच्चे का ब्लड सैंपल ले लिया गया है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि सूअर का यह बच्चा इस तरह कैसे दिखने लगा। वहीं, किसी ने इसकी तस्वीर सोशल साइट पर शेयर कर दी, जो देखते ही देखते वायरल हो गई।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। व्यापार व्यवसाय में गति। घरेलू कामकाम में रुचि बढ़ेगी। साझेदारों और मित्रों का पूर्ण सहयोग। शुभ समाचार आएगा।

वृष
पराक्रम दिखाने का अवसर आ सकता है। कारोबार में बेहतरीन सफलता। कार्य में आए अवरोध दूर हो सकते हैं। आय में वृद्धि के पूर्ण संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन
मित्रों से नाराजगी बढ़ सकती है। खर्च की अधिकता कर्ज बढ़ा सकती है। वैवाहिक जीवन में अकारण तनाव। क्रोध पर नियंत्रण जरुरी है।

कर्क
जीवन में उत्साह बना रहेगा। नवीन कार्यों की योजनाएं बन सकती हैं। माता पिता के साथ धार्मिक यात्रा और धार्मिक आयोजन में भी भाग ले सकते हैं।

सिंह
समाज में सम्मानित हो सकते हैं। आलस्य दूर होगा। जीवन साथी से मतभेद समाप्त हो सकता है। पढ़ाई और काम के बेहतर अवसर मिलेंगे। कार्यों में गति।

कन्या
कार्य में शीघ्रता से नुकसान हो सकता है। मन में अस्थिरता का भाव रह सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ से परेशानी। वाणी पर संयम जरुरी है, वरना परेशानी।

तुला
नौकरी में अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं। मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। साथियों के सहयोग से जरुरी कार्य पूर्ण। परिवार में आए तनाव दूर होंगे।

वृश्चिक
धन धान्य की संपन्नता बढ़ेगी। जमीन जायदाद के मामलों में लाभ मिल सकता है। पिता से पूर्ण सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि हो सकती है।

धनु
कामकाम में अनुकूलता बनी रहेगी। योजनाओं में सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। वाहन सुख मिलेगा। मित्रों से मुलाकात।

मकर
कार्य क्षेत्र में समर्पण की भावना। रुके अधूरे कार्य पूर्ण होने से खुशी। कर्ज संबंधी मामलों में सफलता। विरोधियों पर विजय। शुभ संदेश मिल सकता है।

कुंभ
दिन का आरंभ अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास प्रबल होगा। विभिन्न स्रोतों से आय बढ़ेगी। सरकारी कामकाज पूर्णता की ओर। वाहन सुख मिल सकता है।

मीन
उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। व्यापार व्यवसाय में लाभ के आसार। शारीरिक पीड़ा से निजात मिलेगी। चिंताएं समाप्त होंगी।

प्लास्टिक सर्जरी के दौरान ऑपरेशन थियेटर में होता है ये

प्लास्टिक सर्जरी के द्वारा इंसान अपनी बॉडी का कोई खास हिस्सा मॉडिफाई करवाता है। पहले जहां अपने लुक से खुश नहीं रहने वाले लोग प्लास्टिक सर्जरी करवाते थे, वहीं अब तो नाक से लेकर ब्रेस्ट तक की सर्जरी होने लगी है। आप भी सोचते होंगे कि आखिर किस तरह किसी इंसान की बॉडी को इस सर्जरी द्वारा बदल दिया जाता है? न्यूयॉर्क के बोर्ड सर्टिफाइड सर्जन डॉ. मैथ्यू ह्यूलमान स्नैपचैट पर सर्जरी के दौरान ऑपरेशन थियेटर के अंदर क्या होता है, ये फोटोज के जरिए लोगों को दिखाया है। रहे है विवादों में...

डॉ. मैथ्यू दो साल पहले स्नैपचैट से जुड़े थे। तभी से वो ऑपरेशन थियेटर के अंदर की फोटोज शेयर करते रहे हैं। उनका मानना है कि प्लास्टिक सर्जरी को लेकर लोगों के दिमाग में हौवा बन गया है। ऐसे में अगर उनके साथ ऑपरेशन थियेटर की फोटोज शेयर की जाएगी, तो उनके दिमाग में इस सर्जरी को लेकर बैठी गलतफहमियां दूर हो जाएंगी। इस प्रैक्टिस को लेकर काफी विवाद भी हो चुका है। कुछ लोग जहां इस प्रैक्टिस को गैर–जिम्मेदार बताते हैं, वहीं इसकी वजह से अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स को अपनी गाइडलाइन्स सोशल साइट्स पर शेयर करनी पड़ी थी। अब डॉ. मैथ्यू

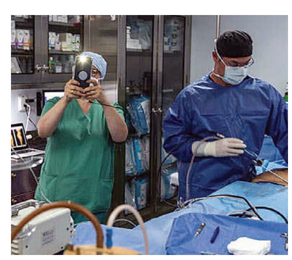

माउंट सिने में स्टूडेंट सर्जन्स को भी ऑपरेशन थियेटर के अंदर स्नैपचैट का इस्तेमाल करना सिखाते हैं। डॉ. मैथ्यू के इस अनोखे प्रयोग को लोगों के सामने लाने के लिए फोटोज क्लिक किए, जिनमें ये सर्जरी के दौरान स्टूडेंट्स को स्नैपचैट का इस्तेमाल करना सीखा रहे थे। इनमें से कुछ तस्वीरें आपको विचलित भी कर सकती हैं। पहले जहां प्लास्टिक सर्जरी करवाना काफी बड़ी बात मानी जाती थी, वहीं अब लोगों में इसे लेकर खास क्रेज–सा हो गया है। अब तो लोग शौकिया तौर पर भी पैसे बहा कर अपने बॉडी पार्ट्स मॉडिफाई करवाते हैं। जस सर्जरी की फोटोज जारी की है, उसमें एक शख्स अपने बट इम्प्लान्ट्स करवा रहा था। डॉ. मैथ्यू सर्जरी करते हुए स्टूडेंट्स को इंस्ट्रक्शंस भी देते जा रहे थे कि किस एंगल से तस्वीरें क्लिक करनी चाहिए। कैसे पूरे प्रॉसिजर को तस्वीरों के जरिए लोगों के सामने लाया जा सकता है। इसमें ना सिर्फ सर्जरी की फोटोज क्लिक की जाती है, बल्कि उसकी तैयारी भी दिखाई जाती है।

एक्सरसाइज नहीं इन 2 रेसिपी से कम करें अपना वजन

वजन घटाने के लिए आप कई तरह के फ्रूड डाइट लेते है। कुछ लोग तो वजन घटाने के लिए खाना भी छोड़ देते है लेकिन इन सब से आपको फायदा होने की बजाए नुकसान हो जाता है। खाना न खाने के कारण आपके शरीर में प्रोटीन की कमी हो जाती है और वजान घटने की बजाए आप में कमजोरी आ जाती है। आज हम आपको ऐसी रेस्पी बताएगें जिससे आपका वजन भी कम हो जाएगा और इसके लिए आपको खाना भी नहीं छोड़ना पड़ेगा।

1. फ्राई ब्राउन राइस

इस डिश में भरपूर पोषक तत्व होते है। इसे लंच या डिनर में लेने से कुछ ही दिनों में आपका वजन कम हो जाएगा। इसके लिए एक पैन में तेल गर्म करके उसमें कटे हुए ग्रीन सलाद, मूंगफली और टमाटर डालकर फ्राई करे। फ्राई करने के बाद इसमें अंडा डाल कर 30 सेकंड तक पकाए। इसे पकाने के बाद इसमें ब्राउन राइस, सोया सोस और गार्लिक व चिल्ली सॉस डालकर 2 मिनट तक पकाए। इससे रोजाना खाने से कुछ ही समय में आपका वजन

2. ब्रोकली ऑमलेट

इसे रोजाना ब्रेकफास्ट में खाने से आपका वजन कुछ हफ्तों में ही कम हो जाएगा। इसके अलावा इसे खाने से पुरे दिन आपके शरीर को पोषक तत्व मिलता रहता है। इसे बनाने के लिए पेन में अच्छी तरह से कुकिंग स्प्रे ब्रोकली को 3 मिनट तक पकाएं। इसे पकाने के बाद इसमें अंडे, चीज और सोआ के पत्ते मिलाकर ऑमलेट बना लें। अब इसे आप ब्राउन ब्रेड के साथ खा सकते है।

जवानी की दौड़-भाग बुढ़ापे में देगी फायदा!

***अगर** कोई इंसान अपनी जवानी के दिनों में वर्ल्ड क्लास रनर रहा हो तो यह इस बात की गारंटी नहीं है कि वह इंसान रिटायरमेंट के बाद बुढ़ापे में भी फिट और हेल्थी रहेगा। लेकिन एक नई स्टडी के मुताबिक युवावस्था में की गई दौड़-भाग बुढ़ापे में फायदेमंद जरूरत साबित होती है।*

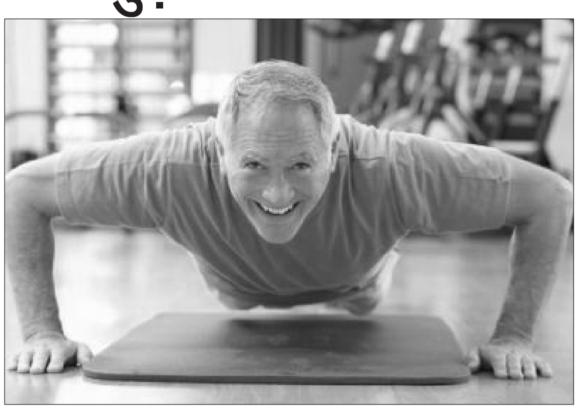

इस स्टडी के नतीजों से रोचक सवाल खड़े होते हैं कि एक शख्स को कैसे और किस तरह से बुढ़ापे की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। साथ ही यह भी की आप अपनी युवावस्था में जितने ज्यादा ऐक्टिव रहेंगे, आने वाली जिंदगी आपकी उतनी ही स्वस्थ रहेगी। इस स्टडी के नतीजे मेडिसिन ऐंड सायंस इन स्पोर्ट्स ऐंड एक्सर्साइज में इसी महीने छपे थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह स्टडी करीब 50 साल पहले उस वक्त शुरू हुई थी जब 1968 में अमेरिका में समर ओलिंपिक ट्रैक ऐंड फील्ड ट्रायल्स चल रहे थे। उस वक्त एक एक्सर्साइज फिजियोलॉजिस्ट जैक डैनियल्स ने अमेरिका के टॉप रनर्स के साथ काम करना शुरू किया। उसमें से 26 लोगों की उन्होंने गहराई से जांच की जिसमें उन लोगों की ऐरोबिक कपैसिटी और सेहत से जुड़ी कई दूसरी परफॉर्मेंस क्षमता का आकलन किया गया। इन सभी रनर्स की उस वक्त उम्र 20 साल के आसपास थी और वे सभी लोग असाधारण डील-डौल के थे। 1993 और 2013 में एक बार फिर इन लोगों का टेस्ट किया गया। उन 26 लोगों में से 3 की मौत हो चुकी थी जबकि एक रनर ने टेस्ट में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

2013 के टेस्ट के दौरान जब उन लोगों से उनके एक्सर्साइज रूटीन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वे हर सप्ताह कुछ घंटों के लिए वॉकिंग, जॉगिंग और साइकलिंग करते हैं। 1968 और 1993 की तुलना में 2013 में किए गए टेस्ट में भले ही इन लोगों की फिटनेस में कमी आयी हो बावजूद इसके इनकी फिटनेस अमेरिका के बुजुर्गों में टॉप 10 में थी। इन पुरुषों की जीवनशैली से यह बात साबित हो गई कि बढ़ती उम्र में भी बेहतर फिटनेस संभव है। इसके लिए जरूरी नहीं कि आप ओलिंपियन ही हों।

सिर्फ 5 रुपए में वापस पाएं बालों की खोई हुई चमक!

धूल-मिट्टी के कारण बालों की चमक कहीं खो जाती हैं। ऐसे में लोग बालों को शाइनी बनाने के लिए मंहगे से मंहगे शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं, जिससे कई बार बालों को नुकसान पहुंचता है। बाल स्मूद होने की जगह ड्राई हो जाते है। आप चाहें तो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर शाइनी बाल पा सकते है। आज हम आपको सबसे आसान घरेलू नुस्खे बताएंगे जिसे हफ्ते में 2-3 बार अजमाने से आप चमकदार बाल पा सकते है। इससे आपको ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

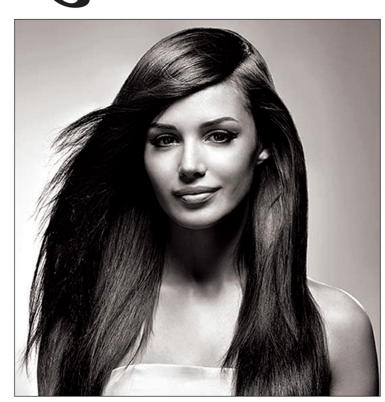

- मेथी दाना

बालों के लिए मेथी दाना बहुत फायदेमंद है। रात को 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इसे पीस लें। फिर इस पेस्ट को बालों में लगाएं।

- प्याज का रस

प्याज के रस में खट्टा दही और नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें।

- ऑलिव ऑयल

शाइनी बालों के लिए ऑलिव ऑयल भी बैस्ट है। इसे हल्का गुनगुना करके बालों की मसाज करें। इसके बाद टॉवल को हल्का गर्म करके बालों में लपेट लें। कुछ देर बाद बालों को धो लें।

- शहद

शहद से बालों को नमी मिलती है। शहद में दूध मिलाकर बालों की मसाज करें। घंटे बाद बालों को धो लें। इससे बालों में चमक आएगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मेवेदर ने जीती दुनिया की सबसे महंगी फाइट, 4000 करोड़ रुपए थे दांव पर

लास वेगास। रिटायरमेंट के दो साल बाद रिंग में वापसी करते हुए अमेरिका के मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने बॉक्सिंग की दुनिया की सबसे बड़ा फाइट जीत कर इतिहास रच दिया है। अपने प्रोफेशनल बॉक्सिंग करियर में एक भी मैच नहीं हारने वाले मेवेदर ने 29 वर्षीय आइरिश कोनोर मॅक्ग्रेगोर को 10वें राउंड में पराजित किया। मेवेदर ने इसी के साथ अपने प्रोफेशनल बॉक्सिंग करियर का अंत 50वीं जीत के साथ अपराजेय रहते हुए किया। उन्होंने 10वें राउंड में टेक्नीकल नॉकआउट आधार पर मिक्स्ड मार्शल आर्ट स्टार मॅक्ग्रेगोर को हराया। मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा और आयरिश मुक्केबाज ने मेवेदर को कड़ी चुनौती दी। 40 वर्षीय मेवेदर इसी के साथ महान मुक्केबाज रॉकी मार्सियानो को पीछे छोड़कर सबसे सफल मुक्केबाज बन गए।

मार्सियानो के नाम 49 जीत का रिकॉर्ड था, जिसे मेवेदर ने 50वीं जीत के साथ तोड़ दिया। मेवेदर ने इनमें से 27 जीत नॉकआउट के जरिए हासिल की। इस शानदार जीत पर मेवेदर को 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा रकम मिलेगी, जबकि मॅक्ग्रेगोर को करीब 75 मिलियन डॉलर राशि मिलेगी। एक अनुमान के मुताबिक 600 मिलियन डॉलर (करीब 4000 करोड़ रुपए) दांव पर थे। इसे मुक्केबाजी इतिहास की सबसे महंगी फाइट माना जा रहा था। इस मुकाबले को 220 देशों में करीब 1 अरब लोगों ने देखा। अमेरिका में तो कई सिनेमाघरों में इसका सीधा प्रसारण किया गया। जीत के बाद मेवेदर ने कहा, मैंने जितना सोचा था, मॅक्ग्रेगोर उससे ज्यादा चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी लगे। उन्होंने मेरी उम्मीद से ज्यादा संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन मैं उनसे श्रेष्ठ था। यह मेरे करियर की अंतिम फाइट थी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप: चेन को हराकर पीवी सिंधु शान से फाइनल में सिल्वर मेडल किया पक्का

ग्लासगो। ओलंपिक रजत पदकधारी पीवी सिंधु ने चीन की चेन युफेई पर आसान जीत से विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया, जिससे वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनने की ओर हैं। बाईस वर्षीय सिंधु ने दुनिया की 10वें नंबर की चेन को रविवार रात महिला एकल के सेमीफाइनल में सीधे गेम में 21-13 21-10 से जीत दर्ज कर भारत के लिये कम से कम रजत पदक तो पक्का करा दिया क्योंकि हमवतन खिलाड़ी साइना नेहवाल को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में सिंधु का सामना जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा जिन्होंने

शनिवार (26 अगस्त) को पहले सेमीफाइनल में साइना को 12-21 21-17 21-10 से मात दी थी। साइना के सेमीफाइनल में हारने से भारतीय खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबले की उम्मीद भी समाप्त हो गयी थी। यह विश्व चैम्पियनशिप में सिंधु का पहला फाइनल होगा जिससे यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। विश्व चैम्पियनशिप में यह सिंधु का तीसरा पदक होगा क्योंकि वह 2013 और 2014 में सेमीफाइनल में हारने के बाद दो बार कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वह इससे भी बेहतर कर इतिहास रच सकती हैं। खिताब जीतकर वह पहली भारतीय विश्व चैम्पियन शटलर बन जायेंगी। भारत ने इससे पहले विश्व चैम्पियनशिप में एक रजत (साइना के 2015 के जरिये) और चार कांस्य पदक अपने नाम किये हैं। प्रकाश पादुकोण 1983 में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे जिसके बाद ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने 2011 में कांस्य पदक अपने नाम किया था। इस जीत से सिंधु विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय बन गयी हैं, इससे पहले जकार्ता में पिछले चरण में साइना ने यह उपलब्धि हासिल की थी। यह विश्व चैम्पियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी होगा क्योंकि देश अब पहली बार इसमें दो पदक अपने नाम करेगा।

शाहिद अफरीदी को महसूस हो रही है इंडिया की कमी

नई दिल्ली। शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का स्वागत किया है। पीसीबी ने अगले महीने वर्ल्ड इलेवन के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज का आयोजन किया है। इस दौरान वर्ल्ड इलेवन टीम की अगुआई दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसी करेंगे। ये तीनों मैच लाहौर में 12, 13, और 15 सितंबर को खेले जाएंगे। पाकिस्तान में इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी पर शाहिद अफरीदी ने अपनी खुशी जाहिर की लेकिन उन्हें

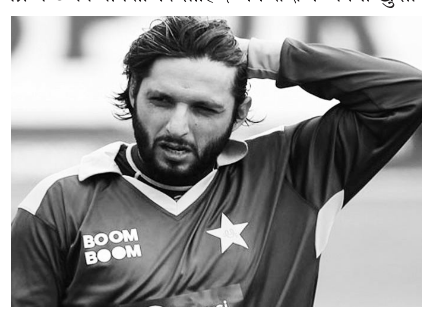

एक बात का दुख भी हैं। दरअसल अफरीदी का मानना है कि वर्ल्ड इलेवन की ओर से भारतीय खिलाड़ियों को भी इस इवेंट में शामिल होना चाहिए। अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के वर्ल्ड इलेवन टीम में न शामिल होने को लेकर निराशा जताई है। भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टी-20 और चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की अनुमति है। अफरीदी ने ट्विटर पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी की इस संयुक्त पहल की तारीफ की। अफरीदी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, इस बात से खुशी हुई कि क्रिकेट को पाकिस्तान में वापस लाने के लिए पीसीबी और आईसीसी ने हाथ मिलाए। अगर भारतीय खिलाड़ी भी आते तो अच्छा होता। पाकिस्तान टीमः सरफराज अहमद (कप्तान), फखर जमान, अहमद शहजाद, बाबर आजम, शोएब मलिक, उमर अमिन, इमाद वसीम, शदाब खान, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, अमीर यमीन, मोहम्मद आमिर, रुमन रईस, उस्मान खान, सोहेल खान।

विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप : मनोज और कविंदर जीत के साथ अगले राउंड में पहुंचे

हैम्बर्ग। विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत ने अच्छी शुरूआत की है। मनोज कुमार और कविंदर बिष्ट ने यहां चैम्पियनशिप में अपने शुरू आती बाउट में जीत दर्ज की। मनोज ने 69 किग्रा वेल्टरवेट में मोलदोवा के वासिली बेलॉस को 3-2 से पस्त किया जबकि कविंदर ने 52 किग्रा फ्लाईवेट बाउट में जापान के रूसेई बाबा को 3-2 से शिकस्त दी।

हालांकि भारत को थोड़ी निराशा भी हाथ लगी क्योंकि एशियाई खेलों के कांस्य पदकधारी सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक वजन वर्ग) शुरूआती बाउट में अजरबेजान के दो बार के विश्व चैम्पियन मोहम्मदरसूल माजीदोव से 0-5 से हार गए। सतीश को यहां आने से पहले वायरल फीवर था। कविंदर देश के लिए रिंग पर उतरने वाले पहले बॉक्सर थे। भारत की लगातार दूसरे दिन सारी बाउट शाम के सत्र में ही थीं। एशियाई चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले कविंदर ने सतर्कता से शुरूआत की और पहले तीन मिनट अपने प्रतिद्वंद्वी को समझने में लगा दिए। हालांकि इससे विपक्षी मुक्केबाज ने बढ़त बना ली। कविंदर ने इस बढ़त से जल्द ही उबरते हुए दूसरे दौर में आक्रामकता बरती। उनके दायें हाथ के हुक काफी अच्छे पड़े जिससे बाबा की लय टूट गई। जल्द ही जजों ने कविंदर के पक्ष में

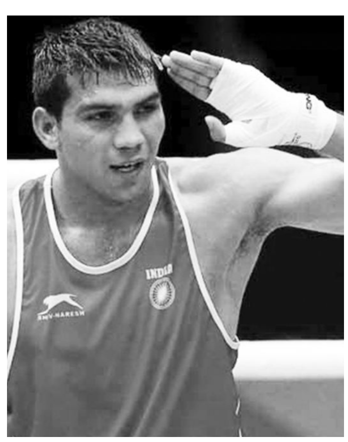

फैसला दिया। अब कविंदर की भिड़ंत तीसरे वरीय अल्जीरिया के मोहम्मद फ्लिसी से होगा। फ्लिसी दो बार के विश्व चैम्पियनशिप पदकधारी हैं, जिन्होंने 2015 में कांस्य से पहले 2013 में रजत पदक जीता था। फिर राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदकधारी मनोज रिंग में उतरे, जो बिलकुल कविंदर के विपरीत खेले।

31 वर्षीय मुक्केबाज ने पहले दो राउंड में ही दबदबा बना लिया। बेलॉस को पहले दो राउंड में जरा भी मौका नहीं मिला, अंतिम राउंड में उन्होंने कोशिश की लेकिन तब तक भारतीय बॉक्सरबढ़त बना चुका था। भारत के स्वीडिश कोच सांटियागो निएवा ने दोनों बाउट के बाद कहा, मनोज और कविंदर दोनों की बाउट कठिन रहीं। लेकिन उन्हें पता था कि कैसे निपटा जाये और उन्होंने वैसा ही किया।

उन्होंने कहा, अभी तक नतीजे सही रहे हैं लेकिन अभी लंबा सफर तय करना है। मनोज दूसरे दौर में चौथे वरीय वेनेजुएला के गैब्रियल माएस्त्रे पेरेज से भिड़ेंगे, जिन्होंने 2013 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था और वह पैन-अमेरिकन खेलों के स्वर्ण पदकधारी भी हैं। इससे पहले अमित फंगाल (49 किग्रा) और गौरव बिधुड़ी (56 किग्रा) ने अपनी बाउट जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हॉटनैस की अदा में आगे बढ़ी रामानंद की पड़पोती साक्षी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में इन दिनों कई नए चेहरे नजर आ रहे हैं, जिनमें से ज्यादातर एक्ट्रैस के बच्चे हैं। इन दिनों बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक नया चेहरा सबके सामने आया है। ये चेहरा है 90'२ के मशहूर टीवी सीरियल 'रामायण' के मेकर रामानंद सागर की ग्रेट ग्रैंडडॉटर साक्षी चोपड़ा का है जो अपने बोल्ड अंदाज के लिए मशहूर हैं। साक्षी हमेशा से अपनी ड्रैसेस कारण सुर्खियों में रही है। बता दें कि हाल ही में साक्षी ने इंस्टा पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह बेहद हॉट नजर आ रही है। इसमें उन्होंने पिंक कलर की ड्रैस पहनी हुई है। इन तस्वीरो में साक्षी ने श्रीदेवी की बेटी जाहन्वी कपूर को भी पछाड़ दिया है।

ए जेंटलमैन की पहले दिन की कमाई आई सामने...

बॉलीवुड फिल्म ए जेंटलमैन ने पहले दिन 4.04 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। ये जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट कर दी है। फॉक्स स्टार स्टूडियोज के सीईओ विजय सिंह ने कहा, कुछ स्थितियों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, विशेष रूप से महाराष्ट्र और राजस्थान में हो रही भारी बारिश, साथ में उत्तरी भारत में हिंसा के कारण थिएटर बंद होने की वजह से फिल्म की कमाई पर असर पड़ा है। हालांकि, फिल्म के प्रति सकारात्मक शब्द बेहद उत्साहजनक साबित हो रहे हैं और कमाई में की उम्मीद है। गौरतलब है कि फिल्म पर 50 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसमें प्रचार और विज्ञापन भी शामिल हैं। बता दें कि फिल्म में सुनील शेट्टी भी महत्वपुर्ण भूमिका में हैं।

रजनीकांत-अक्षय कुमार की आने फिल्म '2.0' बदल सकती हैं इतिहास

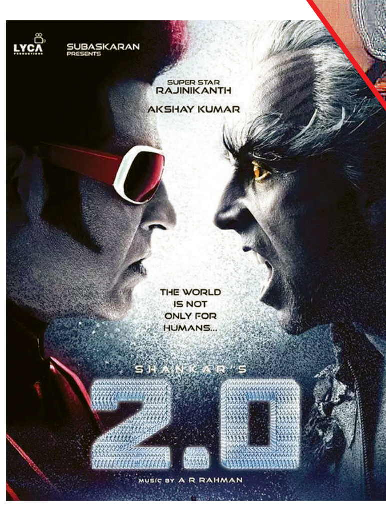

अभिनेता रजनीकांत की आने वाली फिल्म 2.0 आने वाले समय में भारतीय सिनेमा का इतिहास बदल सकती है। हाल ही में सामने आए इस फिल्म के मेकिंग वीडियो को देखकर इस बात की पूरी गारंटी मिल जाती है। फिल्म के निर्देशक शंकर ने इस फिल्म का मेकिंग वीडियो ट्वीटर पर शेयर किया है। रिलीज किए गए इस वीडियो में अक्षय कुमार और रजनीकांत दोनों का ही फिल्म में होने वाला लुत दिख रहा है। हालांकि, रजनीकांत के इस लुक को लोग पहले भी 'रोबोट' फिल्म में देख चुके हैं लेकिन अक्षय का विलन वाला यह लुक काफी अलग और दिलचस्प है। अक्षय के इस लुक को पूरी तरह से विलेन वाला बनाया गया है। इतना ही नहीं इस वीडियो में आप देखें गे कि कैसे फिल्म में मेकअप के लिए अक्षय और रजनीकांत को घंटो एक ही जगह पर बैठे रहना पड़ा। मेकअप के अलावा वीडियो में आपको फिल्म का भव्य सेट भी नजर आएगा। इस वीडियो को अक्षय ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है और लिखा है, 'सिर्फ फिल्म ही नहीं बल्कि पूरी जिंदगी का एक्सपीरियंस'। फिल्म में जूनियर आर्टिस्ट्स की तो गिंती ही नहीं की जा सकती, वो काफी बड़े पैमाने पर नजर आ रहे हैं। मेकिंग की इस वीडियो में यह भी दिख रहा है कि एक्शन सीन के लिए कितनी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म '2.0' का बजट 400 करोड़ का है और इसकी मार्केटिंग पर फिल्म के मेकर्स 150 करोड़ खर्च करने वाले हैं।